www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ... | पत्र नहीं; मित्र | संपर्क : deshbandhusgr@gmail.com

देशबन्धु

वर्ष –10 । अंक–103 । सागर, रविवार 1 जून 2025 । पृष्ठ–8 । मूल्य – 2.00 रुपए

धामना गांव में रातों रात जेसीबी मशीन से खोद डाला खेत पृष्ठ 3

बनारस का ठग पृष्ठ 4

एक महीने तक बच्चों ने सीखे 10 खेल, समापन पर हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम पृष्ठ 6

एसडीएम ने की मंडी रिकॉर्ड की जांच पृष्ठ 8

देवी अहिल्याबाई को किया नमन

- मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को बैतूल के भरेवा शिल्प से निर्मित पुष्पक विमान की कृति भेंट की
- देवी अहिल्याबाई होल्कर को समर्पित डाक टिकिट और सिक्का जारी किया
- प्रदेश के 1271 अटल ग्राम सेवा सदनों के लिए 483 करोड़ रूपए की पहली किस्त जारी की
- नारी सशक्तिकरण के प्रतीक स्वरूप प्रदेश की चार महिलाओं ने किया प्रधानमंत्री मोदी का अभिवादन

देवी अहिल्याबाई की 3 सौ वीं जयंती पर महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन को प्रधानमंत्री मोदी ने किया संबोधित, कहा-

सरकार हर क्षेत्र में बहनों को कर रही सशक्त

भोपाल, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि सरकार बहनों को हर क्षेत्र में सशक्त बना रही है। पिछले कुछ वर्षों में महिलाए न सिर्फ आर्थिक रूप से सशक्त हुई बल्कि उन्होंने अपनी शक्ति और पराक्रम को भी साबित किया है। श्री मोदी आज यहां देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर जंबूरी मैदान में महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर नाम सुनकर मन में श्रद्धा का भाव आता है। उनके संकल्पों से सीख मिलती है कि परिस्थितियां कितनी भी विपरीत क्यों न हो इच्छाशक्ति से उन्हें पूर्ण किया जा सकता है। आज से 250–300 साल पहले जब देश गुलामी की बेड़ियों में जकड़ा था, तब उन्होंने इन कार्यों को पूर्ण किया। वे हमेशा शिवलिंग साथ लेकर चलती थीं। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में राज्य का कार्यभार संभाला और राज्य को समृद्धि दी। देवी अहिल्याबाई भारत की विरासत की संरक्षक थीं। जब देशभर में हमारे मंदिरों, तीर्थ स्थलों पर हमले हो रहे थे तो उन्होंने इन्हें संरक्षित करने का कार्य किया। उन्होंने काशी विश्वनाथ समेत अनेक मंदिरों का निर्माण कराया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि काशी ने उन्हें भी सेवा का अवसर दिया है। काशी में देवी अहिल्याबाई की मूर्ति भी देखने को मिलती है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि देवी अहिल्याबाई ने विकास का ऐसा मॉडल अपनाया, जिसमें गरीबों और वंचितों को प्राथमिकता दी गई। उन्होंने उद्योग, खेती और जल संरक्षण को बढ़ावा दिया। वर्तमान में कैच द रैन के माध्यम से बारिश की एक-एक बूंद बचाने का प्रयास हो रहा है। देवी अहिल्याबाई ने 250–300 साल पहले हमें जल संरक्षण का रास्ता दिखाया था। उन्होंने किसानों को कपास की खेती के लिए प्रेरित किया। देवी अहिल्या ने किसानों को धान और गेंहू की खेती के अतिरिक्त फसल विविधीकरण को प्रोत्साहन दिया। देवी अहिल्या ने महेश्वरी साड़ी के लिए नए उद्योग लगाए। वे हुनर की पारखी थीं, जूनागढ़ (गुजरात) से कुछ बुनकर परिवारों को महेश्वर लाकर साड़ी उद्योग को बढ़ावा दिया। आज महेश्वरी साड़ी देश की महिलाओं की पसंद बन चुकी है। देवी अहिल्याबाई ने समाज सुधार की दिशा में कार्य किए। वे हमेशा मातृशक्ति के विकास के बारे में सोचती थीं। उन्होंने बाल विवाह को रोकने के लिए कदम उठाए। उन्होंने समाज सुधारकों को भरपूर समर्थन दिया। मालवा की सेना में महिलाओं की एक टुकड़ी बनाई। मां अहिल्या के कार्यकाल में महिलाओं की ग्राम सुरक्षा टोलियां बनाई गई थीं। पश्चिम के लोग हमें माताओं-बहनों के नाम पर नीचा दिखाने की कोशिश करते हैं, लेकिन देवी अहिल्याबाई की सोच और कार्य महिला सशक्तिकरण को समर्पित थे। वे राष्ट्र निर्माण के लिए परिवर्तन लाने वाली शासक थीं। उनका आशीर्वाद हम सभी पर बना रहे। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि बीएसएफ का इस ऑपरेशन में बड़ा रोल रहा है। बीएसएफ की बेटियां सीमा से मोर्चा संभाल रही थीं। उन्होंने दुश्मनों की कई पोस्ट ध्वस्त कर

शेष पृष्ठ 5 पर...

पाकिस्तान को फिर चेताया

गोली का जवाब गोले से मिलेगा

भोपाल,देशबन्धु। ऑपरेशन सिंदूर को आतंकवादियों के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा और सबसे सफल अभियान बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज एक बार फिर पाकिस्तान को कड़े शब्दों में चुनौती देते हुए कहा कि अगर तुम गोली चलाओगे तो मान के चलो कि गोली का जवाब गोले से दिया जाएगा। श्री मोदी यहां देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जन्मजयंती के अवसर पर महिला सशक्तिकरण सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

इस दौरान श्री मोदी ने महिला सशक्तिकरण को राष्ट्रसुरक्षा से कई बार जोड़ा। उन्होंने कहा कि भारत संस्कृति और संस्कारों का देश है। सिंदूर नारी शक्ति का प्रतीक है। रामभक्ति में लगे हनुमान भी सिंदूर को ही धारण किए है। हम शक्ति पूजा में सिंदूर को अर्पण करते हैं। ये ही अब भारत के शौर्य का प्रतीक बन गया है। इसी क्रम में उन्होंने कहा कि पहलगाम में आतंकियों ने भारतीयों का खून ही नहीं बहाया, संस्कृति पर भी प्रहार किया। हमारे समाज को बांटने की कोशिश की, सबसे बड़ी बात, आतंकवादियों ने नारीशक्ति को चुनौती दी, लेकिन यही चुनौती आतंकवादियों और उनके आकाओं के लिए काल बन गई है। ऑपरेशन सिंदूर आतंकवादियों के खिलाफ भारत के इतिहास का सबसे बड़ा और सबसे सफल ऑपरेशन है, जहां पाक सेना ने सोचा भी नहीं था, वहां तक आतंकी ठिकानों को हमारी सेना ने मिट्टी में मिला दिया। सैकड़ों किलोमीटर तक घुस कर उन्हें मिट्टी में मिलाया। ऑपरेशन सिंदूर ने डंके की चोट पर कहा है कि आतंकवादियों के जरिए प्रॉक्सी वॉर नहीं चलेगा। घर में घुस कर मारेंगे और आतंकियों के मददगारों को भी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जापान को पीछे छोड़ भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना : डॉ. यादव

भोपाल,देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में स्वागत उद्बोधन में कहा कि भारत ने जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की उपलब्धि हासिल की है। मध्यप्रदेश सरकार गरीब, किसान, युवा और नारी सहित हर वर्ग के कल्याण के लिए केंद्र सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया में शिखर पर पहुंचेगा। उन्होंने दुनिया के सबसे बड़े गणतंत्र के नायक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देवी अहिल्याबाई होल्कर की पावन धरा पर पधारे हैं। हमारे लिए आज का दिन अद्वितीय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में विगत 500 साल के काल पर नजर डालें तो गोंडवाना की रानी दुर्गावती ने तीन बार अकबर को धूल चटाई थी। इसी प्रकार रानी अवंतीबाई ने भी मुगलों के सामने कभी भी आत्मसम्मान से समझौता नहीं किया। ग्वालियर की राजमाता सिंधिया ने भी भारतीय लोकतंत्र को मजबूत किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इंदौर की सुमित्रा ताई को लोकसभा अध्यक्ष की जिम्मेदारी देकर देश और प्रदेश का मान बढ़ाया। आज राष्ट्रपति भी एक महिला हैं। अहिल्या देवी की 300वीं जयंती के अवसर पर पूरे देश में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने आतंकी सरकार और आतंकवादियों को धूल चटाई । पूरा देश आपका अभिनंदन कर रहा है। जिन आतंकियों ने बहनों का सिंदूर उजाड़ने का काम किया, उन्हें सबक सिखाया है।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ला, सांसद खजुराहो वी.डी. शर्मा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, सूक्ष्म एवं लघु और मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य कुमार काश्यप, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके, महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर, संस्कृति पर्यटन धार्मिक न्यास मंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह, भोपाल सांसद आलोक शर्मा और भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय उपस्थित थी।

इंदौर को मेट्रो, दतिया और सतना को मिली विमानतल की सौगात

देवी अहिल्या राष्ट्रीय सम्मान से डॉ. जयमती को किया सम्मानित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ की बस्तर की जनजातीय कलाकार डॉ. जयमती कश्यप को देवी अहिल्या बाई राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया। इस क्रम में जबलपुर में कैंसर रोगियों की देखरेख को समर्पित सुश्री ज्ञानेश्वरी देवी, पहली भारतीय कैनोइस्ट और अर्जुन पुरस्कार प्राप्त सुश्री प्राची यादव ,ग्राम स्तर पर स्वच्छता और विकास कार्यों को समर्पित ग्राम तिरला-जिला धार की सरपंच आरती पटेल और महेश्वरी साड़ी निर्माण में लगी नागेश्वरी स्वयं सहायता समूह महेश्वर की सुश्री मीनाक्षी ठाकले को भी सम्मानित किया गया।

भोपाल, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन के दौरान प्रदेश को कई सौगातें दीं। उन्होंने वर्चुअली इंदौर में मेट्रो ट्रेन की सौगात के साथ ही दतिया और सतना विमानतल का लोकार्पण भी किया। इंदौर में मेट्रो ट्रेन के शुभारंभ अवसर पर पहले दिन महिलाओं ने मुफ्त सफर किया, अगले सात दिन तक मेट्रो यात्रा सुविधा मुफ्त रहेगी।

इस दौरान राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी विशेष रूप से मौजूद थे। वहीं समारोह में केंद्रीय शहरी विकास एवं आवास मंत्री तोखन साहू, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक रमेश मेंदोला, मधु वर्मा, गोलू शुक्ला सहित अन्य जनप्रतिनिधि और मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के अध्यक्ष जयदीप विशेष रूप से मौजूद थे। देवी अहिल्याबाई की 3 सौंवीं जयंती पर इंदौर में शुरू हुए मेट्रो रेल परियोजना के शुभारंभ के इस ऐतिहासिक अवसर पर इंदौर में उत्सव जैसा माहौल रहा, जिसमें नागरिकों विशेष कर महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सतना एयरपोर्ट का वर्चुअल उद्घाटन

किया। इस एयरपोर्ट से आज पहली उड़ान भरी गई। विमान में 7 आदिवासी महिलाओं छोटी बाई कोल, बूटी कोल, संगीता कोल, सुमित्रा आदिवासी, रीतू कोल, मैना देवी कोल और भूरी कोल ने सतना से रीवा तक का हवाई किया। इस दौरान महिलाएं फ्लाइट में लोकगीत गाते दिखी। उन्होंने पहली बार हवाई सफर करवाने के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया। अब यहां से छोटे 19 सीटर विमानों की उड़ान सेवा शुरू की जाएगी। इस सेवा से सतना, पन्ना, मैहर, चित्रकूट और सीधी जैसे जिलों को सीधा लाभ मिलेगा।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने आज दतियावासियों को एयरपोर्ट की सौगात दी। उन्होंने भोपाल से इसका वर्चुअल लोकार्पण किया। दतिया में केन्द्रीय नागरिक उडडयन मंत्री राममोहन नायडू के साथ पूर्व गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा इस समारोह में शामिल हुए।

इस अवसर पर प्रभारी मंत्री ऐदल सिंह कंषाना, क्षेत्रीय सांसद संध्या राय भी उपस्थित थी। इस मौके पर डॉ. मिश्रा ने केंद्रीय मंत्री श्री नायडू से एयरपोर्ट का नाम श्री रावतपुरा सरकार व हवाई सेवा का नाम सिंदूर रखने सहित हवाई सेवा दिल्ली तक चलाने व शनिवार को भी संचालित करने की मांग की। उन्होंने इन विषयों को लेकर उन्हें मांग पत्र भी सौंपे।

शेष पृष्ठ 5 पर...

सीडीएस ने मानी लड़ाकू विमान गिरने की बात, कहा-

असली मुद्दा यह नहीं कि कितने विमान गिरे, बल्कि यह है कि वे क्यों गिरे

नई दिल्ली, एजेंसी। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) अनिल चौहान ने शनिवार को सिंगापुर में पाकिस्तान के साथ संघर्ष में भारतीय फाइटर जेट गिरने के दावों पर बात की। उन्होंने कहा कि असली मुद्दा यह नहीं है कि कितने विमान गिरे, बल्कि यह है कि वे क्यों गिरे? और हमने उनसे क्या सीखा। सीडीएस ने यह बात ब्लूमबर्ग को दिए साक्षात्कार में कही। वे यहां शांगरी-ला डायलॉग कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे हैं।

सीडीएस ने कहा भारत ने अपनी गलतियों को पहचाना, उन्हें जल्दी सुधारा और फिर दो दिन के भीतर दुश्मन के ठिकानों को लंबी दूरी से निशाना बनाकर एक बार फिर प्रभावी तरीके से जवाब दिया। मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने सीडीएस जनरल अनिल चौहान द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के लड़ाकू विमान गिरने की बात स्वीकार करने पर मोदी सरकार को घेरा है। कांग्रेस ने वाजपेयी सरकार का जिक्र करते हुए पूछा कि क्या मोदी सरकार अब सिंगापुर में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ द्वारा किए गए खुलासे के मद्देनज़र वैसा ही कोई कदम उठाएगी?

सीडीएस चौहान के इस खुलासे पर कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि 29 जुलाई 1999 को, करगिल युद्ध समाप्त होने के महज तीन दिन बाद, वाजपेयी सरकार ने देश के सामरिक मामलों के विशेषज्ञ के. सुब्रह्मण्यम की अध्यक्षता में करगिल समीक्षा समिति गठित की थी- जिनके पुत्र आज भारत के विदेश मंत्री हैं। इस समिति ने पांच महीने बाद अपनी विस्तृत रिपोर्ट सौंपी।

शेष पृष्ठ 5 पर...

सीडीएस के खुलासे के बाद देश को जवाब दे सरकार : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि है कि सिंगापुर में प्रमुख सेना अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को लेकर जो कुछ कहा है उससे साफ हो गया है कि देश को गुमराह किया जा रहा है इसलिए सरकार को पहलगाम आतंकी हमले के बाद की पूरी स्थिति पर संसद का विशेष सत्र बुलाकर देश की जनता को जवाब देना चाहिए। श्री खरगे ने शनिवार को यहां एक बयान में कहा कि पाकिस्तान के विरुद्ध सैन्य कार्रवाई से जुड़े मुद्दे का कोहरा अब छंट रहा है।

शेष पृष्ठ 5 पर...

भारतीय विद्यार्थियों को आकर्षित कर रहे रूसी विश्वविद्यालय

- कई शहरों में विशेष सम्पर्क कार्यक्रम आयोजित कर रहे
- शैक्षणिक कार्यक्रमों, छात्रावास सुविधाओं की जानकारी दी

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी विश्वविद्यालयों में विदेशी विद्यार्थियों के प्रवेश पर अंकुश लगाने के ट्रम्प प्रशासन के प्रयास में रूसी विश्वविद्यालयों तथा उच्च शिक्षा संस्थानों को नया अवसर दिख रहा है और वे भारतीय छात्र-छात्राओं को अपनी तरफ आकर्षित करने के अभियान में लगे हैं। रूसी विश्वविद्यालयों तथा उच्च शिक्षा संस्थान प्रमुख भारतीय शहरों में विशेष सम्पर्क कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं।

रूसी संस्थान इस अभियान में अन्य बातों के साथ बता रहे हैं कि उनके यहां विशेष रूप से चिकित्सा (मेडिकल) शिक्षा का खर्च तुलनात्मक रूप से कम है और इस लिए रूस भारतीय विद्यार्थियों के लिए चिकित्सा विज्ञान की पढ़ाई का पसंदीदा स्थान बन गया है। इसी तरह के एक अभियान में शनिवार को यहां रूसी हाउस में आयोजित शिक्षा-मेले सैकड़ों विद्यार्थी और अभिभावक आए थे।

मेले में रूस के प्रमुख मेडिकल विश्वविद्यालयों ऑरेनबर्ग स्टेट मेडिकल विश्वविद्यालय, पर्म स्टेट मेडिकल विश्वविद्यालय, बीबी गोरोडोविकोव कलमीक स्टेट विश्वविद्यालय , प्सकोव स्टेट विश्वविद्यालय और मारी स्टेट विश्वविद्यालय सहित कई प्रमुख रूसी विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों ने उनके साथ संवाद किया।

इस वर्ष रूसी शिक्षा मेला भारत के सात शहरों- मुंबई, त्रिवेंद्रम, कोलकाता, नयी दिल्ली, पटना, अहमदाबाद, इंदौर, चंडीगढ़ और जयपुर में आयोजित किया जा रहा है। दिल्ली में आज आयोजित कार्यक्रम में इन विश्वविद्यालयों ने अपने यहां प्रवेश प्रक्रिया, शैक्षणिक कार्यक्रमों, बुनियादी ढांचे, छात्रावास सुविधाओं और रूस में जीवन के बारे में जानकारी दी और इससे संबंधित प्रश्नों का समाधान किया।

मेले मे मौजूद मारी स्टेट विश्वविद्यालय की कुलपति पेट्रोवा इरीना ने कहा, हम भारतीय छात्रों को विश्वस्तरीय सुविधाएं प्रदान करने के साथ विश्व के अन्य देशों की तुलना में मेडिकल संबधी उच्च शिक्षा को किफायती रूप में उपलब्ध कराते हैं। पिछले साल करीब 40000 भारतीय छात्र रूस में आए जिसे हम अपनी उपलब्धि मानते हैं।

इस अवसर पर रूसी हाउस की निदेशक डॉ. एलेना रेमीज़ोवा ने कहा, शिक्षा भारत-रूस सहयोग के सबसे मजबूत स्तंभों में से एक है। रूसी शिक्षा मेले जैसी पहलों के माध्यम से हमारा लक्ष्य भारतीय छात्रों को रूस में विश्वस्तरीय विश्वविद्यालयों तक पहुँच प्रदान करना है। ये सहयोग न केवल शैक्षिक आदान-प्रदान हैं बल्कि हमारे देशों के बीच गहरी दोस्ती का प्रतीक भी हैं।

अमेरिका के सख्त नियमों का असर

अमेरिकी वश्वविद्यालयों और कॉलेजों में 2023-24 में 3.31 लाख छात्र-छात्राएं पढ़ रहे थे और वहां के लिए भारत विदेशी विद्यार्थियों का सबसे बड़ा स्रोत था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने राजनीतिक निर्णयों के तहत अमेरिका में आव्रजन के नियम सख्त करने के साथ अमेरिकी विश्वविद्यालयों की विदेशी विद्यार्थियों को प्रवेश देने की क्षमता पर नियामकीय और वित्तीय अंकुश लगाने शुरू कर दिए हैं।

एसडीएम ने की मंडी रिकॉर्ड की जांच

अटैच कर्मचारियों को वापस बुलाने के निर्देश दिए

बीना, देशबन्धु। कृषि उपज मंडी में शनिवार को एसडीएम विजय डेहरिया ने दो घंटे की बैठक ली। उन्होंने मंडी के सभी कर्मचारियों से वन टू वन चर्चा की। मंडी में 30 व्यापारियों का स्थाई अतिक्रमण सामने आया है। एसडीएम ने मंडी सचिव कमलेश सोनकर से पूछा कि व्यापारियों से गोदामों का किराया क्यों नहीं लिया जा रहा। सचिव ने बताया कि 1990 में गोदाम आवंटन की प्रक्रिया शुरू हुई थी। लेकिन कुछ समय बाद मंडी बोर्ड ने इसे रद्द कर दिया। एसडीएम ने डीएस सागर और राज्य कृषि विपणन बोर्ड के एमडी को पत्र लिखकर गोदाम आवंटन की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि व्यापारियों को गोदाम लीज पर देकर शुल्क वसूला जायेगा। डाक नीलामी की प्रक्रिया की जांच में पाया गया कि मंडी में उपज के सैंपल रखने की व्यवस्था नहीं है। एसडीएम ने इसे तुरंत शुरू करने के निर्देश दिये, साथ ही दूसरी मंडियों में अटैच कर्मचारियों को वापस बुलाने के लिये कहा। मंडी रिकॉर्ड की जांच में तहसीलदार अंबर

पंथी, पटवारी राजेश शर्मा, दीपक कलावत, सुदीप चौबे और नीतेश तिवारी ने सहयोग किया।

सिविल अस्पताल का एसडीएम ने किया रात में निरीक्षण

बीना, देशबन्धु। सिविल अस्पताल में शुक्रवार रात एसडीएम विजय डेहरिया ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में पांच कर्मचारी लंबे समय से उपस्थिति रजिस्टर पर हस्ताक्षर नहीं कर रहे थे। एसडीएम ने बीएमओ डॉ. संजीव अग्रवाल को इन कर्मचारियों की उपस्थिति शून्य मानते हुये वेतन कटौती करने और कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। एसडीएम ने अस्पताल के वार्डों, बाथरूमों और परिसर की सफाई व्यवस्था का भी जायजा लिया। उन्होंने बीएमओ को स्वच्छता में सुधार लाने और कोई कोताही न बरतने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने मौजूद स्टाफ की समस्यायें सुनीं। उन्होंने कहा कि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवायें देना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। एसडीएम ने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी ऐसे निरीक्षण जारी रहेंगे। लापरवाही बरतने वालों पर कड़ी कार्यवाही की जायेगी। इस औचक निरीक्षण से अस्पताल प्रशासन में हलचल मच गई है।

5 कर्मचारी मिले अनुपस्थित, बीएमओ को वेतन कटौती और नोटिस के दिए आदेश

नपाध्यक्ष व एसडीएम ने 3 वार्डों का किया औचक निरीक्षण

बीना, देशबन्धु। शनिवार सुबह नपाध्यक्ष लता सकवार, एसडीएम विजय डेहरिया और नपा उपाध्यक्ष रमाकांत बिलगैयां ने तीन वार्डों का औचक निरीक्षण किया। मढ़िया, मनोरमा और खिरिया वार्ड में भारी गंदगी पाई गई। नालियों की सफाई महीनों से नहीं हुई थी, कचरा उठाव नहीं हो रहा था। एफएसटीपी में कचरे को खुले में जलाया जा रहा था। यह पर्यावरणीय मानकों का उल्लंघन है। एसडीएम ने जिम्मेदारों के खिलाफ कार्यवाही के निर्देश दिये। वार्ड मुकद्दमों के वेतन काटने का आदेश दिया। लापरवाह कचरा संग्रहण कंपनी को हटाने की बात कही। मनोरमा वार्ड में बजरा घाट के पास अवैध कॉलोनी काटी जा रही थी। एसडीएम ने इसकी जानकारी मांगी। यह निर्माण नियमों का उल्लंघन है। नपाध्यक्ष ने कहा कि शहर की सफाई व्यवस्था सुधारने के लिये प्रशासनिक कदम उठाये जा रहे हैं। गंदगी और अव्यवस्था बर्दाश्त नहीं की जायेगी। स्वास्थ्य सुरक्षा और स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करना प्राथमिकता है। निरीक्षण में उपयंत्री विवेक ठाकुर और अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

शनिचरी-शुक्रवारी से हिन्दू परिवारों का पलायन, विहिप ने उठाई आवाज

बण्डा, देशबन्धु। शनिचरी और शक्रवारी इलाकों से हिन्दू समाज के परिवारों के कथित पलायन को लेकर विश्व हिंदू परिषद विहिप ने गंभीर चिंता जताई है। शनिवार को आयोजित एक पत्रकार वार्ता में विहिप जिलाध्यक्ष अजय दुबे ने दावा किया कि पिछले पांच वर्षों में इन क्षेत्रों से 127 हिन्दू परिवार पलायन कर चुके हैं। दुबे ने आरोप लगाया कि हिन्दू समाज पर योजनाबद्ध तरीके से मानसिक दबाव बनाया जा रहा है, जिससे लोग अपने घर बार छोड़ने को विवश हो रहे हैं। कई परिवारों से बातचीत कर एवं घटनाओं की सूची तैयार कर यह जानकारी एकत्र की गई है। कुछ असामाजिक तत्व हिन्दू परिवारों के घरों के सामने मांस फेंक देते हैं, बहन बेटियों को परेशान किया जाता है, रास्तों में गाड़ियां लगाकर जानबूझकर विवाद की स्थिति बनाई जाती है, दुबे के अनुसार माहौल इस कदर बिगड़ चुका है कि दर्जनों परिवार पलायन कर चुके हैं और कई अन्य असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। प्रेसवार्ता में बताया गया कि जब इस विषय पर स्थानीय अखबारों में खबरें प्रकाशित हुईं, तो मुस्लिम समुदाय के कुछ मौलवी स्थिति को सामान्य बताने का प्रयास करने मे लगे। विश्व हिंदू परिषद ने इस मुद्दे पर राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भी सौंपा है, जिसमें विस्थापन पर तत्काल रोक लगाने और दोषियों पर सख्त कार्यवाही की मांग की है। दुबे ने बताया कि शासन ने इस विषय को संज्ञान में लेते हुये एक जांच समिति गठित की है, जिससे विहिप को आशा है कि निष्पक्ष कार्यवाही होगी। प्रेसवार्ता में विहिप जिला मंत्री बृजेंद्र पटेल, विभाग समरसता प्रमुख आशुतोष सोलंकी, एड. ऋषि दुबे, एड. सुनील मिश्रा, महेंद्र जैन भूसा, दिनेश जैन, अंकुर जैन, बृजमोहन सिंह मासाब सहित कार्यकर्ता मौजूद थे।

मजदूर से मारपीट कर लूट के 2 आरोपी गिरफ्तार

सागर, देशबन्धु। रहली थाना क्षेत्र में मजदूर को रास्ते में रोककर मारपीट कर लूटपाट करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक नाबालिग शामिल है। पूछताछ में आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल लिया है। उनके कब्जे से लूट का सामान जब्त किया गया है। पुलिस के अनुसार ग्राम बंदरचुआ निवासी गब्बर गौंड से 25 मई की दोपहर करीब 1.50 बजे तीन अज्ञात बदमाशों ने लूट की थी। गब्बर मजदूरी के पैसे लेकर बाइक से अपने घर लौट रहा था, तभी बगासपुरा के पास वर्मन बाबा की टपरिया के सामने बदमाशों ने उसे रोका। एक के हाथ में लाठी थी। तीनों ने गब्बर को जमीन पर पटक दिया। एक बदमाश ने कमर से चाकू निकालकर उसके बायें पैर की जांघ पर मारा। दूसरी बार चाकू मारने पर गब्बर ने दोनों हाथों से रोकने की कोशिश की, इससे उसके बायें हाथ की अंगुली में घाव हुआ। वारदात में बदमाश मजदूर

से करीब 10 हजार रुपये और मोबाइल छीन कर भाग गये। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया। आरोपियों की तलाश के लिये पुलिस टीमें लगाई गई। छानबीन के दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि दो संदिग्ध युवक ग्राम छिरारी में गौशाला के पास चांदपुर रोड पर खड़े हैं। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर संदिग्धों को पकड़ लिया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम पवन अहिरवार 19 वर्ष निवासी छिरारी और गोरेलाल उर्फ आकाश अहिरवार 23 वर्ष निवासी शाला मोहल्ला गौरझामर होना बताया। थाने लाकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपियों ने एक अन्य नाबालिग साथी के साथ मिलकर मजदूर गब्बर के साथ लूट की वारदात करना स्वीकार किया। मामले में पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर वारदात में उपयोग किया गया चाकू और लाठी ग्राम बगासपुरा में गढ़ा बब्बा की पुलिया के नीचे से जब्त किये। साथ ही लूट के पैसे और मोबाइल बरामद किये। एसडीओपी प्रकाश मिश्रा ने बताया कि लूट के नाबालिग समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने लूट के पैसे आपस में बांट लिए थे। आरोपी गोरेलाल उर्फ आकाश खैराना रोड पर हुई लूट की वारदात में भी फरार था। आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है।

जरूरतमंद के प्रति दया नहीं है तो आप मानसिक दरिद्र हैं : गुरोंन

सागर, देशबन्धु। सतनाम वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष युवा उद्योगपति जन सेवक मनी सिंह गुरोंन अपने द्वारा किये गये जनहित कार्यों को लेकर अक्सर चर्चाओं में रहते हैं, इनके द्वारा किसी न किसी रूप में जरूरतमंदों और असहायो की मदद की जाती रही है, हालांकि कई लोग उनकी इस जन सेवा को दिखावा और पैसे की बर्बादी भी कह देते हैं, जबकि मनी सिंह का कहना है कि अगर आप संपन्न होने के बाद ही किसी की मदद नहीं कर सकते तो आप मानसिक रूप से दरिद्र हैं, मनी सिंह का मानना है कि यह जरूरी नहीं की अगर कोई संपन्न है तो उसमे जनसेवा का भाव होगा, क्योंकि धन और दूसरों के प्रति दया दोनों अलग-अलग विषय है, इसलिये अगर ईश्वर ने आपको किसी की मदद करने के लिये चुना है कि जितना संभव हो सके यथाशक्ति उसकी मदद करिये क्योंकि नर सेवा ही नारायण सेवा है, वाहेगुरु दी कृपा रही तो भविष्य में जनहित के लिये कोई ना कोई ऐसा कार्य करूंगा जो दशकों तक याद रखा जायेगा, हालांकि उनके द्वारा कुछ ऐसे कार्य भी गुप्त रूप से कर दिये जाते हैं जो लोगों के सामने नहीं आते क्योंकि इनका यही उद्देश्य है कि उनकी यह जन सेवा किसी न किसी रूप में लगातार चलती रहे उनके प्रति लोगों का क्या भाव है या क्या राय है उससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि अच्छे कार्यों में अक्सर उंगलिया उठाई जाती है, उस समय जरूरी है कि आप यहां वहां ध्यान न देकर अपने उद्देश्य पर ही केंद्रित रहे। अक्षय तृतीया के मौके पर उन्होंने शहर के घरौंदा आश्रम में भीषण गर्मी को देखते हुये कूलर भेंट किये थे, अब उनके द्वारा शहर की प्रसिद्ध मंदिरों के आसपास रहने वाले वेसहारा लोगों को भीषण गर्मी में ठंडे पेय पदार्थ सहित फल वितरित किये जा रहे है।

नगर निगम कर्मचारी संघ ने सैडमेप कर्मचारी को कार्यमुक्त करने निगमायुक्त को लिखा पत्र

सागर, देशबन्धु। नगर निगम नगर पालिका कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष सईद उद्दीन कुरैशी ने निगमायुक्त राजकुमार खत्री को पत्र लिखकर मांग की है कि नगर निगम सागर में प्रतिनियुक्ति पर उपायुक्त के पद पर पदस्थ एसएस बघेल को उनके प्रतिनियुक्ति अवधि 19 मई 2025 को समाप्त होने पर तत्काल कार्य मुक्त किया जावे अन्यथा की स्थिति में कार्य मुक्त न किये जाने पर कर्मचारी संघ 9 जून को काम बंद हड़ताल करेगा।

कर्मचारी संघ ने पत्र में लेख किया है कि आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग का आदेश दिनांक 20 मई 2023 के परिप्रेक्ष्य में कार्यवाही की जाये। उपरोक्त संदर्भित आदेश के द्वारा नगर निगम सागर में पदस्थ सुनील सिंह बघेल सेडमैप कर्मचारी की 2 वर्ष की प्रति नियुक्ति अवधि पूर्ण होने पर आपके द्वारा श्री बघेल को आज दिनांक तक कार्यमुक्त नहीं किया गया है जो संदर्भित आदेश का उल्लंघन है। अवैधानिक एवं नियम के विरुद्ध तथा मप्र नगर पालिका निगम 1956 की धारा 58(3) के विरुद्ध होने से उच्च न्यायालय में याचिका क्रमांक 14951/2025 लगाई गई है। अत: आपसे अनुरोध है कि शासन आदेश दिनांक 20 मई 2023 के क्रम में सुनील सिंह बघेल सेडमैप कर्मचारी को तत्काल कार्य मुक्त करें अन्यथा की दृष्टि में समस्त कर्मचारी संघों द्वारा चरणबद्ध तरीके से आंदोलन कर 09 जून से काम बंद हड़ताल की जायेगी जिसकी संपूर्ण जवाबदारी नगर निगम प्रशासन की रहेगी।

इस संबंध में नगर निगम कर्मचारी संघ ने पत्र की प्रतिलिपि मुख्यमंत्री, नगरीय विकास एवं आवास विभाग, मप्र शासन, राज्य मंत्री, नगरीय विकास एवं आवास विभाग, मप्र शासन, प्रमुख सचिव, नगरीय विकास आवास विभाग, आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, आयुक्त, सागर संभाग, कलेक्टर, नगर दण्डाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, नगर पुलिस अधीक्षक को दी हैं।

पहले राउंड में पंजीयन की अंतिम तिथि आज

खुरई, देशबन्धु। प्राचार्य शास. पॉलिटेक्निक महाविद्यालय ने बताया की संस्था में संचालित तीन वर्षीय डिप्लोमा इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के पॉलीटेक्निक में प्रवेश लेने के लिये पहले राउंड के पंजीयन की अंतिम तिथि आज 1 जून है इच्छुक अभ्यर्थी एमपी ऑनलाइन के माध्यम से पंजीयन कराके प्रवेश प्राप्त कर सकते है इच्छुक अभ्यर्थी 10 वीं उत्तीर्ण होने की पात्रता के साथ ऑनलाइन पंजीयन कर सकते हैं। संस्थान में सिविल, मैकेनिकल तथा इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। प्रत्येक शाखा में 54-54 सीटें उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त आईटीआई उत्तीर्ण अथवा 12वीं विज्ञान वर्ग से उत्तीर्ण विद्यार्थी लेटरल एंट्री के माध्यम से सीधे द्वितीय वर्ष तृतीय सेमेस्टर में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। इच्छुक अभ्यर्थी ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं एवं संस्था स्तर पर भी रजिस्ट्रेशन के लिये हेल्पडेक का गठन किया गया है जिससे इच्छुक अभ्यर्थियों को निशुल्क रजिस्ट्रेशन सुविधा दी जा रही है।

शास. महाविद्यालय में विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर संगोष्ठी का हुआ आयोजन

बीना, देशबन्धु। शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. एमएल सोनी ने कहा कि तंबाकू एक धीमा जहर है इसकी आदत जानलेवा है। युवा तंबाकू के सेवन से स्वयं बचें तथा अपने परिवार को बचायें। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी गौरव नैलवाल ने बताया कि इस वर्ष की थीम है तंबाकू उद्योग की चालें पहचानें, अपने स्वास्थ्य की रक्षा करें। प्रो. आरएस तिवारी ने कहा कि तंबाकू सेवन से कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारियां और कई अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्यायें हो सकती हैं। अत: सभी युवा तंबाकू एवं गुटके की लत से अपने आप को बचायें। इस अवसर पर डॉ. नमिता अग्निहोत्री, श्वेता दुबे, वंदना चौबे, डॉ. चेतना शर्मा, डॉ. क्रांति मिश्रा, डॉ. श्रद्धा पटेल, डॉ. स्मिता चौरसिया, शैलेंद्र उपाध्याय एवं सचिन लोधी ने सभी युवाओं को नशे से दूर रहने की सलाह दी। अंत में प्राचार्य द्वारा समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थियों को नशा मुक्ति के लिये संकल्प दिलाया तथा युवाओं से तंबाकू एवं गुटखा के दुष्प्रभावों से लोगों को जागरूक करने की अपील की। इस अवसर पर महाविद्यालय स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

बीटीआईआरटी के छात्रों ने अंतिम वर्ष में आरजीपीवी के परिणामों में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

सागर, देशबन्धु। आरजीपीवी भोपाल बी.टेक आठवें सेमेस्टर के परीक्षा परिणामों के अंतर्गत सम्भाग के प्रतिष्ठित एवं एक मात्र नैक अक्रिडियेटेड इंजीनियरिंग कॉलेज बाबूलाल ताराबाई इंस्टिट्यूट ऑफ रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी सागर के विद्यार्थियों ने डिग्री की पात्रता अर्जित की।

इसके साथ ही आठवें सेमेस्टर के परिणामों में नगर के सभी गैर शासकीय संस्थाओं में सर्वोच्च 9.28 एसजीपीए के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। बीटीआईआरटी मेकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के सभी छात्रों ने आठवें सेमेस्टर की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुये शत प्रतिशत परिणाम के साथ प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण किया। बीटीआईआरटी मेकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्र ललित रैकवार ने 8.28 सीजीपीए के साथ प्रथम, प्रिंस विश्वकर्मा ने 8.17 सीजीपीए के साथ द्वितीय एवं भूमि गुप्ता ने 7.78 सीजीपीए के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। सिविल इंजीनियरिंग की छात्रा निकिता अहिरवार एवं छात्र रितेश पटेल ने संयुक्त रूप से 8.72 सीजीपीए के साथ प्रथम, रितु ठाकुर ने 8.5 सीजीपीए के साथ द्वितीय एवं खुशी विश्वकर्मा ने 8.33 सीजीपीए के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग की विद्यार्थी नेहा प्रजापति ने 8.94 सीजीपीए के साथ प्रथम, हर्षित खरे ने 8.56 के साथ द्वितीय स्थान एवं साक्षी कर्मी ने 8.39 के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग से राजकुमार अहिरवार ने 7.94 सीजीपीए के साथ प्रथम, नेहा अहिरवार ने 7.56 के साथ द्वितीय स्थान एवं सिद्धार्थ तिवारी ने 7.44 सीजीपीए के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया । कंप्यूटर साइंस विभाग से अनीशा चौरसिया ने 9.28 एसजीपीए अंकों के साथ प्रथम, साइमा अहमद ने 9.06 एसजीपीए के साथ द्वितीय स्थान एवं सलोनी मिश्रा ने 8.67 एसजीपीए अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी विद्यार्थियों की अभूतपूर्व सफलता एवं उत्तम परिणाम के प्रदर्शन हेतु बीटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स संस्था के चेयरमैन संतोष जैन घड़ी ने सभी छात्रों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनायें प्रेषित की। सचिव डॉ. सत्येंद्र जैन एवं ग्रुप रजिस्ट्रार डॉ. तरुण कुमार सिंह ने बधाई दीं। बीटीआईआरटी तकनीकी संस्थान के प्राचार्य डॉ. वीरेश कुमार फुसकेले ने सभी विभाग सदस्यों सहित सभी विद्यार्थियों को शुभकामनायें देते हुये आगामी करियर में उच्चतम मानदंड प्रस्तुत करने एवं देश विदेश की प्रतिष्ठित कंपनियों एवं संस्थानों में सार्थक कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया। साथ ही साथ शोध कार्य में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों को आधुनिक रिसर्च ट्रेंड से अवगत कराया।

बीटीआईआरटी संस्थान विगत कई वर्षों से लगातार उत्कृष्ट परिणामों की श्रंखला में सफलता के परचम लहराते हुये गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में नवीन आयाम स्थापित कर रहा है।

माता-पिता इस संसार की वह हस्ती है उनका ऋण चुकाना हमारे इस जन्म में नामुमकिन : केशव गिरी

सागर, देशबन्धु। विश्व एवं राष्ट्र कल्याण की भावनाओं को लेकर हो रहे ग्राम खेजरा बुधू में 9 दिवसीय शतचंडी महायज्ञ श्री शिव महापुराण में गृहस्थ संत केशव गिरी के द्वारा हो रहे श्री शिव महापुराण के द्वितीय दिवस पर देवराज की कथा को को सुनाते हुये कहा कि देवराज नाम का ब्राह्मण वैदिक धर्म से विमुख और अपने माता-पिता से सदा विमुख रहता था माता पिता व गुरुजनों के बताये हुये सदमार्ग पर नहीं चलता। सदा माता पिता और गुरुजनों का

अनादर किया करता, महाराज ने माता-पिता के ऊपर के विशेष प्रकाश डालते हुये कहा माता-पिता इस संसार की वह हस्ती है उनका ऋण चुकाना हमारे इस जन्म में नामुमकिन है, क्योंकि माता पिता से बढ़कर इस संसार में दूसरा कोई नहीं है माता पिता की सेवा करने से सभी देवताओं की सेवा हो जाती है शास्त्रों में तन की पवित्रता सिर्फ सेवा से ही कही गई है। विशेष रूप से माता पिता और गुरु की सेवा करने से ही तन की पवित्रता आती है। शास्त्रों में कहा गया है कि सभी तीर्थ माता में है और समस्त देवता पिता में है इसलिये जो पुत्र अपने माता पिता की सेवा अर्चन, करता वृद्धावस्था उनका विशेष ख्याल रखता है तो देवताओं की पूजा स्वत: हो जाती है या कहें जो अपनी माता पिता की सेवा करते हैं तो उसे समस्त तीर्थो का पुण्य और समस्त देवताओं के पूजन का फल अपने आप सहज रूप में ही प्राप्त हो जाता है महाराज ने कहा कि ईश्वर के दिये हुये अनमोल उपहार होते हैं माता पिता इनकी सदैव सेवा और इनका सदा ख्याल रखना चाहिये यही पुत्र का सबसे बड़ा धर्म है। पं. जगदेव पांडे ने स्वरचित गद्यपंक्तियों एवं अपनी कविताओं से भक्तों को भाव विभोर किया। इस अवसर पर सुनील तिवारी, अखिलेश गौर, रितेश तिवारी, नितिन राठौर, वीरेन्द्र गौतम, हरिनारायण नायक, लखन सोनी, राम चरण लोधी सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे।

शहर में पहली बार मनाया श्रुत पंचमी प्राकृत दिवस

सागर, देशबन्धु। जैन धर्म के ग्रंथों एवं प्राचीन भारतीय साहित्य में जन जन द्वारा बोली जाने वाली प्राचीनतम प्राकृत भाषा के विपुल भंडार को दृष्टिगत करते हुये भारत सरकार ने इसे शास्त्रीय भाषा का दर्जा प्रदान किया है। अत: इसके सरंक्षण व संवर्धन के लिये प्राकृत भाषा के विद्वानों ने मिलकर इसी वर्ष फरवरी माह में प्राकृत भाषा विकास फाउंडेशन की स्थापना की है, जो कि सागर में ही रजिस्टर्ड है। प्राकृत भाषा और साहित्य के जन जागरण हेतु फाउंडेशन एवं अखिल भारत वर्षीय शास्त्री परिषद् के संयुक्त तत्वावधान में देश भर में प्राकृत विद्या शिक्षण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में गौराबाई शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में यह शिविर चल रहा है। इसमें प्राकृत विज्ञान, गुणस्थान विज्ञान, समय विज्ञान एवं द्रव्यसंग्रह का ब्र. अनीता दीदी, ब्र. मानी दीदी, विजय शास्त्री, अनिल शास्त्री एवं डॉ. शैलेश जैन द्वारा अध्यापन कराया जा रहा है। जैन धर्म के प्राकृत भाषा में निबद्ध सैद्धांतिक ग्रन्थ षट्खण्डागम को दो हजार वर्ष पहले

आचार्य पुष्पदंत एवं भूतबली महाराज द्वारा ज्येष्ठ शुक्ल पंचमी को पूर्ण होने के बाद समाज के बीच लाया गया था, जिसकी उस समय महापूजा हुई थी। उसी क्रम में तब से प्रति वर्ष इस दिन को श्रुत पंचमी पर्व के रूप में मनाया जाता है, जिसमें इस ग्रन्थ की विशेष पूजा और भव्य शोभायात्रा निकाली जाती है। गौराबाई जैन मंदिर से श्रुत पंचमी प्राकृत दिवस की दिव्य और भव्य शोभा यात्रा तीन बत्ती, कीर्ति स्तंभ आदि मुख्य मार्गों से निकाली गई, जिसमें प्राकृत विद्या शिक्षण शिविर के सैकड़ों शिविरार्थी, पाठशाला के छात्र, विभिन्न महिला मंडल, समाज के श्रेष्ठी जन सम्मिलित हुये। गौराबाई मंदिर में 28 मई से 3 जून तक चलने वाले इस शिविर में प्राकृत भाषा के साथ-साथ, आध्यात्मिक उन्नति, राष्ट्रीय प्रगति, सामाजिक सद्भावना, नैतिक विकास व मानवता के सूत्र शिविरार्थियों को सिखाये जा रहे हैं। प्राकृत सीखने की ललक देखते ही बन रही है। आयोजकों को भी यह अप्रत्याशित उपलब्धि लग रही है।

सार समाचार

बदमाशों पर कसेगी नकेल, कई होंगे जिला बदर

छतरपुर, देशबन्धु। पुलिस ने कई आदतन अपराधियों और गुंडा-बदमाशों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते उन्हें जिला बदर करने की कार्यवाही शुरू कर दी है। पुलिस लगातार निगरानी बदमाशों और गुंडों पर नजर रख रही है, समय-समय पर उन्हें थानों में बुलाकर निर्देश भी दिए जा रहे हैं। मई 2025 में थाना कोतवाली और ओरछा रोड पुलिस ने सात आदतन अपराधियों के खिलाफ जिला बदर का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इनमें सिटी कोतवाली क्षेत्र के बदमाश राहुल मिश्रा उर्फ संजू भूरा निवासी सर्किट हाउस के पास छतरपुर, दशरथ अहिरवार अमानगंज मोहल्ला, फैयाज अली नया मोहल्ला, युसूफ राइन बड़ी कुंजरहटी, ओरछा रोड थाना क्षेत्र के सत्यम यादव निवासी ग्राम हतना, हर्ष उर्फ सिक्सर निवासी ग्राम नारायणपुरा तथा संतोष शर्मा निवासी ग्राम टुरया शामिल हैं। पुलिस ने बताया इन बदमाशों के आपराधिक रिकॉर्ड की समीक्षा के बाद जिला बदर की कार्रवाई प्रस्तावित की गई है। इसका प्रतिवेदन जिला दंडाधिकारी कार्यालय में भेजा जा रहा है, जहां से अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

हवाई फायरिंग करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

छतरपुर, देशबन्धु। शहर जे सिविल लाइन थाना क्षेत्र में बीते रोज देरी रोड पर की गई फायरिंग के दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मुखबिर से पुलिस को जानकारी मिली कि आरोपी उत्तर प्रदेश के महोबा और बांदा जिले की ओर भागे हैं। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करके आरोपी प्रवीण उर्फ बिट्टू मिश्रा निवासी ग्राम उजरा, हाल निवासी सीताराम कॉलोनी छतरपुर और राजवर्धन उर्फ राज उर्फ क्षितिज सिंह पिता जगदीप सिंह चौहान निवासी दुर्गा कॉलोनी को पकड़ लिया। उनके पास से घटना में प्रयुक्त 12 बोर देशी अद्धी और मोटर साइकिल बरामद की गई है। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, वहां से जेल भेज दिया गया है।

सड़क पर खड़ी 12 मोटर साइकिलें जब्त की गईं

छतरपुर, देशबन्धु। हाइवे व अन्य सड़कों पर बेतरतीब तरीके से वाहन खड़े करके ट्रैफिक जाम करने की समस्या से निपटने के लिए यातायात पुलिस ने शनिवार को जोरदार अभियान चलाया है।

मुख्य सड़कों पर अवैध तरीके से खड़ी की गई 12 मोटर साइकिलों को जब्त करके ट्रक से थाने पहुंचाया गया है। यातायात प्रभारी बृहस्पति साकेत ने बताया कि शहर की सड़कों पर मोटर साइकिलों की गलत तरीके से पार्किंग की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इसे लेकर एसपी अगम जैन के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। पुलिस ने सागर-कानपुर नेशनल हाईवे, बिजावर नाका, बैंक के सामने और बस स्टैंड इलाके से मोटर साइकिलों को हटवाया गया। इस अभियान में अब तक 12 मोटर साइकिलों को जब्त किया जा चुका है। पुलिस ने बताया बस स्टैंड, छत्रसाल चौक और चौक बाजार में भी इस तरह की कार्रवाई की जाएगी।

खजुराहो-सिंगरौली रेलवे लाइन के लिए जमीनों और पहाड़ों से अवैध खनन

धमना गांव में रातों-रात जेसीबी मशीन से खोद डाला खेत

छतरपुर, देशबन्धु। खजुराहो से सिंगरौली तक रेलवे लाइन निर्माण में ठेकेदार की मनमानी से एक किसान बर्बाद हो गया है। दरअसल धमना गांव के वृद्ध किसान टेड़ा पटेल की खेती योग्य जमीन को ठेकेदार ने रातों-रात जेसीबी मशीन से खोदकर उसे बड़े-बड़े गड्ढों में तब्दील कर दिया है।

ललितपुर-सिंगरौली रेल लाइन के पहले फेज में ललितपुर से खजुराहो तक रेलवे लाइन काफी पहले पूर्ण हो चुकी है। अब दूसरे फेज में खजुराहो से सिंगरौली तक रेलवे लाइन निर्माण का काम तेजी से चल रहा है। इस रेल लाइन के बीच में पड़ने वाले ग्राम धमना में ठेकेदार ने आसपास की सरकारी जमीनों और पहाड़ियों को अवैध रुप से खोदकर सैकडों ट्रक मुरम और पत्थर निकालकर ले गए हैं। इतना ही नहीं गांव के एक किसान से पूछे बिना उसके उपजाऊ खेत को भी जेसीबी मशीन से खोदकर बडे-बडे गड्ढों और खाइयों में तब्दील कर दिया है।

यह अपने आप में एक बड़ी घटना है, जो विकास परियोजनाओं में किसानों के हितों की अनदेखी का सबूत है। स्थानीय निवासी रमेश अहिरवार सहित कई ग्रामीणों का कहना है, ठेकेदार ने रेलवे लाइन के निर्माण के लिए न केवल टेड़ा पटेल की जमीन बल्कि आसपास की सरकारी जमीन से भी बड़े पैमाने पर अवैध रुप से उत्खनन किया है। आश्चर्य तो इस बात का है कि जब ठेकेदार सरकारी जमीनों से अवैध रुप से उत्खनन कर रहा था तब प्रशासन के नुमाइंदों को इसकी जानकारी दे दी गई थी, मगर सब मौन बने रहे। नतीजतन ठेकेदार रातों रात बड़ी तेजी से पहाड़ियों को समतल करने और सरकारी व निजी जमीनों को गड्ढों में तब्दील करने में जुटा रहा।

किसान ने रोते हुए सुनाई बर्बादी की दास्तान : 70 वर्षीय किसान टेड़ा पटेल ने जब खेत पर आकर मिट्टी की जगह गड्ढों को देखा, तो वह फफक-फफककर रो पड़ा। रोते हुए अपनी बर्बादी की दास्तान सुनाकर वह प्रशासन से सवाल कर रहा है कि अब इस बंजर ज़मीन पर आखिर क्या उगेगा। हमारी ज़िंदगी तो बर्बाद हो गई, अब हम कहां करेंगे खेती, कैसे लौटेगी परिवार की खुशहाली। टेड़ा पटेल ने बताया उसने अपने जीवन की सारी पूंजी इस खेत पर लगाई थी।

इसी जमीन से जो उपज होती थी उससे परिवार का भरण-पोषण होता था, बच्चों की पढ़ाई और उनकी शादी का खर्च निकलता था। ठेकेदार ने पहले केवल कुछ बड़े बड़े पत्थर लेने की बात कही, मगर रातों रात कई ट्रकों और जेसीबी मशीनों के साथ आाकर उपजाऊ खेत की मिट्टी निकालकर ले गए। अब तो गड्ढों में तब्दील होकर पूरा खेत बंजर हो चुका है। पीड़ित किसान की मांग है कि कम से कम उसकी जमीन को समतल करके दिया जाए।

इनका कहना है

जो भी कह रहे हैं कि मिट्टी खोदने की परमिशन प्रशासन से ली गई है, वो दस्तावेज पेश करें। मामले की गंभीरता को देखते हुए राजनगर तहसीलदार ने हल्का पटवारी को जांच के आदेश दिए हैं। जैसे ही जांच आती हैं, जो तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मिलिंद नागदेवे
एडीएम, छतरपुर

महिला सशक्तिकरण अभियान में पुलिस ने किया जागरूक

छतरपुर, देशबन्धु। लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती को जनकल्याण पर्व के रूप में मनाते हुए पुलिस ने महिला सशक्तिकरण और सुरक्षा के प्रति विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। महिला सुरक्षा शाखा, निर्भया मोबाइल, और जनसाहस संस्था ने नारायणपुरा रोड की झुग्गी बस्तियों में जाकर पोस्टर और पंपलेट के माध्यम से सशक्त नारी-सशक्त समाज का संदेश दिया।

जिले के थाना क्षेत्रों में भी एक दिवसीय अभियान में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की रोकथाम और सशक्तिकरण पर जोर दिया गया। नारायणपुरा रोड की झुग्गी बस्तियों में संवाद किया गया। इस दौरान भारतीय न्याय संहिता 2023, मध्यप्रदेश पीड़ित प्रतिकर योजना, लैंगिक अपराधों से बाल संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम, और अन्य कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। महिलाओं को नए कानून, हेल्पलाइन नंबर, और निःशुल्क शिक्षा के अधिकार की जानकारी दी गई।

इस दौरान महिला सुरक्षा शाखा ने हेल्पलाइन नंबर साझा किए, जबकि जनसाहस संस्था ने अपनी हेल्पलाइन 180030002852, किशोर न्याय अधिनियम, और बाल अधिकारों पर चर्चा की। बच्चों को निःशुल्क शिक्षा के लिए प्रेरित किया गया। पंपलेट वितरित कर जागरूकता बढ़ाई गई। कार्यक्रम में उप निरीक्षक तबस्सुम खान, प्रधान आरक्षक रमेश सिंह, आरक्षक राजेंद्र यादव, निर्भया मोबाइल से रामरति, शांति कुशवाहा, और जनसाहस से संतोष, रघुवीर, रितु शामिल रहे।

सवारियां भरने के विवाद में चले लात-घूंसे

छतरपुर, देशबन्धु। सिटी कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत बस स्टैंड पर दो बसों के स्टाफ के बीच सवारियां भरने को लेकर विवाद में जमकर लात-घूंसे और बेल्ट चले। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें खुलेआम गाली-गलौज और मारपीट देखी जा सकती है। हैरानी की बात यह रही कि इस गुंडागर्दी के दौरान पुलिस मौके पर नही दिखाई दी। इस दौरान बस स्टैंड पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की गंभीरता के बावजूद, कोतवाली पुलिस और यातायात पुलिस की अनुपस्थिति ने स्थानीय लोगों में नाराजगी पैदा की है।

रात में युवक ने घर में लगा दी आग

छतरपुर, देशबन्धु। राजनगर थाना क्षेत्र के भुस्का गांव में बीती रात एक परिवार के कच्चे घर में आगजनी की घटना सामने आई है। भुस्का गांव के रहने वाले पुष्पेंद्र सिंह ने बताया कि उनके चाचा रोशन सिंह और दादा-दादी गांव में रहते हैं। बीती रात करीब 12 बजे गांव के ही अरविंद सिंह ने उनके घर में आग लगा दी। घटना के वक्त उनके दादा-दादी घर में मौजूद थे, जिन्हें आरोपी धमकी देकर मौके से फरार हो गया। आगजनी में गेहूं, भूसा सहित अन्य घरेलू सामान जलकर राख हो गया है। पुष्पेंद्र सिंह ने बताया कि इस आगजनी से परिवार को भारी नुकसान हुआ है। पीड़ित परिवार ने राजनगर थाना में आवेदन देकर आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

ई-रिक्शा चार्ज करते समय करंट लगने से चालक की मौत

छतरपुर, देशबन्धु। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के अंतर्गत शुक्रवार की देर रात एक ई-रिक्शा चालक की करंट लगने से मौत हो गई है। बताया गया है कि लखन पुत्र मुन्ना मिश्रा, गुलगंज थाना क्षेत्र के ग्राम मुंगवारी का निवासी था। अविवाहित लखन छतरपुर में नई ईदगाह के पास किराए के मकान में अकेले रहकर ई-रिक्शा चलाता था। शुक्रवार की रात वह ई-रिक्शा चार्ज करने के लिए जब बिजली का तार जोड़ रहा था, तभी गलती से तार उसके हाथ से छू गया, जिससे वह करंट की चपेट में आ गया। उसे छटपटाकर बेहोश होते देखकर पड़ोसियों ने तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी। लखन के बड़े भाई दीपक मिश्रा ने बताया उसे पड़ोसियों के माध्यम से घटना की सूचना मिली थी। सिविल लाइन थाना प्रभारी वाल्मीकि चौबे ने बताया शव को पोस्टमार्टम कराया है। मर्ग कायम करके परिजनों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

मार पीटकर दबंग कर रहे जमीन हथियाने की कोशिश

छतरपुर, देशबन्धु। *सिविल लाइन थाना क्षेत्र के ग्राम दालौन में जमीन विवाद को लेकर मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित परिवार ने गांव के सरपंच प्रतिनिधि सहित कुछ अन्य लोग पर उसकी जमीन हथियाने के प्रयास का आरोप लगाया है।*

ग्राम दालौन के राकेश अहिरवार ने बताया शुक्रवार की सुबह वह अपने परिवार के साथ खेत पर थे, तभी सरपंच प्रतिनिधि प्रेमचंद्र अहिरवार, लल्ली बरार और लक्ष्मण रैकवार वहां पहुंचे। आरोपियों ने दावा किया कि खेत उनका है, जबकि राकेश ने बताया कि जमीन उसके परिवार की है। कुछ देर बाद आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी और खेत छोड़ने की धमकी दी। जब राकेश और उनका भाई खेत से घर लौट रहे थे, तभी आरोपियों ने उन्हें रोक लिया और उनके साथ मारपीट की। राकेश ने सिविल लाइन थाना में आवेदन देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई और अपने परिवार को सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है।

खजुराहो से दतिया होते हुए भोपाल के लिए उड़ान शुरू

खजुराहो, देशबन्धु। विश्व प्रसिद्ध पर्यटन नगरी खजुराहो से हवाई सेवाओं में विस्तार करते हुए फ्लाई बिग एयरलाइंस की खजुराहो-दतिया-भोपाल उड़ान सेवा का शुभारंभ राजनगर विधायक अरविंद पटैरिया की उपस्थिति में किया गया।

इस सेवा को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भोपाल में आयोजित एक कार्यक्रम में हरी झंडी दिखाई है। जबकि विधायक अरविंद पटैरिया ने खजुराहो एयरपोर्ट से विमान को रवाना किया। उद्घाटन समारोह में दतिया से खजुराहो पहुंचीं महिलाओं के एक दल की सदस्य रवीना वाल्मीकि ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। विधायक श्री पटैरिया ने कहा ये छोटी उड़ान सेवाएं बुंदेलखंड के पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगी। खजुराहो जैसे वैश्विक पर्यटन स्थल को बेहतर कनेक्टिविटी से जोड़ना क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वास जताया कि खजुराहो सांसद विष्णु दत्त शर्मा के प्रयासों से जल्द ही दिल्ली, वाराणसी और अन्य प्रमुख शहरों के लिए भी उड़ान शुरू होंगी। कार्यक्रम में खजुराहो नगर परिषद अध्यक्ष अरुण अवस्थी, पार्षद गौरव सिंह बघेल, दिनेश गौतम, खजुराहो एयरपोर्ट अथॉरिटी और फ्लाई बिग के अधिकारी उपस्थित रहे।

इस तरह रहेगा पूरा शेड्यूल : खजुराहो एयरपोर्ट के डायरेक्टर संतोष सिंह ने बताया 19 सीटर विमान सेवा सप्ताह में चार दिन सोमवार, मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को संचालित होगी। भोपाल से दोपहर 1.00 बजे उड़ान शुरू होकर 2.01 बजे दतिया पहुंचेगी, फिर 2.30 बजे दतिया से खजुराहो के लिए उड़ेगी और 3.15 बजे खजुराहो पहुंचेगी। वापसी में खजुराहो से 3.40 बजे उड़ान दतिया के लिए होगी, जो 4.45 बजे दतिया पहुंचेगी, और फिर 4.45 बजे दतिया से भोपाल के लिए उड़ान भरेगी, जो 6.00 बजे भोपाल पहुंचेगी। पहले दिन दतिया से खजुराहो सात यात्री पहुंचे, जिनमें सभी महिलाएं थीं। किराया मात्र 999 रुपये से शुरू है, जो इसे किफायती बनाता है।

बदौराकला में हैंडपंप खराब होने से जलसंकट

गौरिहार, देशबन्धु। बदौरा कला ग्राम पंचायत में एक हैंडपंप करीब चार माह से खराब है, जिससे लोगों को पानी के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया हैंडपंप खराब हो जाने से लोगों को पानी मिलना मुश्किल हो गया है। उन्हें रोज दूसरे मुहल्ले से पानी ढोकर काम चलाना पड़ रहा है। हैंडपंप सुधार के लिए विभाग के मैकेनिक और पंचायत सचिव को जानकारी दी गई मगर अभी तक हैंडपंप की मरम्मत नहीं कराई गई। ग्रामीणों ने बताया सीएम हेल्पलाइन पर भी शिकायत दर्ज कराई, फिर भी बात नहीं बनीं। ग्रामीणों ने शीघ्र हैंडपंप में सुधार कार्य करने की मांग की है।

इंडियन आईडल फेम नचिकेत के नाम रही विरासत महोत्सव की दूसरी शाम

छतरपुर, देशबन्धु। पर्यटक ग्राम मऊसहानियां में आयोजित दो दिवसीय विरासत महोत्सव की दूसरी शाम इंडियन आइडल फेम नचिकेत लेले के नाम रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व मंत्री मानवेंद्र सिंह ने दीप प्रज्वलन करके किया। नचिकेत ने किशोर कुमार, मोहम्मद रफी और सोनू निगम जैसे गायकों के फिल्मी गीतों की शानदार प्रस्तुति दी। नचिकेत ने अपनी मधुर आवाज में एक से बढ़कर एक गीत सुनाए, जिनमें पुराने और नए बॉलीवुड गीतों का शानदार मिश्रण था। उनकी प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, श्रोता झूमते दिखे। नचिकेत ने छतरपुर और बुंदेलखंड की तारीफ करते हुए कहा पहली बार इस क्षेत्र में आकर वे बेहद खुश हैं। उन्होंने महाराजा छत्रसाल की पुण्य वीरभूमि पर

बार-बार आने की इच्छा जताई। गायिका उमा सक्सेना ने भी मधुर गायकी से दर्शकों का दिल जीता। सागर से आए दो कलाकारों के फ्यूजन बैंड ने सूफी और बुंदेली लोक संगीत का अनूठा संगम प्रस्तुत किया, जिसने क्षेत्रीय संस्कृति को जीवंत कर दिया।

इस दौरान महाराज छत्रसाल की जीवनी पर आधारित दो पुस्तकों का विमोचन भी हुआ, जिनमें उनके ऐतिहासिक योगदान और वीरता को उजागर किया गया। समिति अध्यक्ष गोविंद सिंह बुंदेला और मानवेंद्र सिंह ने कलाकारों को शॉल और श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। लेखिका उमा सक्सेना और बुंदेलखंड दाल मिल के संचालक राहुल साहू को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन अभिराम पाठक और शैलेंद्र शुक्ला ने किया।

किसानों की बैठक में की गई उन्नत खेती के तरीकों पर चर्चा

खजुराहो, देशबन्धु। विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत राजनगर विकास खंड के ग्राम पंचायत पहाड़ीबावन, राजगढ़ और पथरगुवां में कृषि विभाग द्वारा किसान बैठकों का आयोजन किया गया।

इन बैठकों में कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्नत फसलों के उत्पादन के माध्यम से उन्हें लाभ अर्जित करने के लिए प्रेरित भी किया। किसानों की समस्याओं के समाधान और आधुनिक खेती की तकनीकों के बारे में बताया गया। नरवाई जलाने से होने वाले नुकसानों पर प्रकाश डालकर इसके लिए सरकार द्वारा लगाए प्रतिबंध, अर्थदंड और एफआईआर से बचने के बारे में जागरूक किया गया। किसान ऐप के माध्यम से योजनाओं का लाभ लेने, आगामी खरीफ फसलों के लिए पंजीयन और मिट्टी परीक्षण की महत्ता पर विस्तार से चर्चा की गई।

आत्मा परियोजना के तहत प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और कृषि यांत्रीकरण के लिए अनुदान पर कृषि यंत्र प्राप्त करने की सलाह दी गई। बैठक में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी बीके श्रीवास्तव, क्षेत्रीय कृषि विस्तार अधिकारी, बीटीएम, एटीएम, कृषि अभियांत्रिकी, वरिष्ठ कृषि उद्यान अधिकारी, फसल बीमा अधिकारी, पंचायत सचिव, सरपंच, किसान और ग्रामीणजन शामिल रहे।

डिकौली समिति में राशि जमा कराके मुख्यालय भेजने के निर्देश दिए

छतरपुर, देशबन्धु। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी केंद्रीय बैंक छतरपुर ने शाखा प्रबंधक बड़ामलहरा को निर्देश दिए हैं कि मुख्यमंत्री कृषक ब्याज माफी योजना 2023 अंतर्गत एम पैक्स डिकोली में 567 कृषकों की राशि 292.54 लाख प्रारंभिक तौर पर अपात्र पाई गई। ऐसे जमा करके बैंक मुख्यालय भेजें।

बताया गया है कि कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय कियान्वयन समिति की बैठक में निर्णय लिया गया है कि अपात्रता की राशि शासन के पक्ष में वापिसी करें। उक्त योजना के तहत अपात्र 567 कृषकों की राशि 292.54 लाख रु. जिन्हें योजना का लाभ दिया जा चुका है। उन कृषकों के डीएमआर खातों से राशि वापिस कर समिति डिकोली के ब्याज माफी चालू खाता में जमा कराई जाये। उक्त क्र.1 की राशि समिति डिकोली के खाते में प्राप्त होते ही संपूर्ण राशि बैंक मुख्यालय भेजी जाए। जिससे शासन को राशि वापिसी की कार्यवाही की जा सके। उपरोक्त कार्यवाही तीन दिवस के अंदर पूर्ण कर प्रतिवेदन बैंक मुख्यालय प्रेषित करने को कहा गया।

राजस्थान के कालबेलिया नृत्य, दतिया के सुंदरिया लोकनाट्य ने बांधा शमां

छतरपुर, देशबन्धु। *पर्यटक ग्राम मऊसहानियां में चल रहे महाराजा छत्रसाल विरासत महोत्सव के पहले दिन बुंदेलखंड की शान और राजसी परंपराओं को जीवंत करने वाली प्रस्तुतियां हुईं। राजस्थान की मरुभूमि से आई मांगणियार गायन और कालबेलिया नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके साथ ही दतिया के सुंदरिया लोकनाट्य की प्रस्तुति ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया।*

उल्लेखनीय है महाराजा छत्रसाल की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित इस महोत्सव का शुभारंभ बीती शाम मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया था। पहले दिन की प्रस्तुतियों में राजस्थान के जोधपुर से आए अप्पानाथ कालबेलिया समूह ने मांगणियार गायन और कालबेलिया नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी। मांगणियार कलाकारों के मधुर स्वरों में लोकदेवताओं की कथाएं, प्रेम की पीड़ा और राजस्थानी संस्कृति की खुशबू घुली थी, जिसने मऊसहानियां की धरती को राजस्थान की माटी की सुगंध से सराबोर कर दिया। कालबेलिया नृत्यांगनाओं की लचकदार कमर और घूमते घाघरों ने मानो हवा में रंग बिखेर दिए, जो सदियों पुरानी राजस्थानी परंपराओं की जीवंत मिसाल बने।

इसके साथ ही, दतिया के राजेश लिटोरिया और उनकी टीम ने सुंदरिया लोकनाट्य की प्रस्तुति दी। जबलपुर की लोक गायिका संजो बघेल ने अपने भक्ति गायन से श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। यह प्रस्तुतियां रात 12 बजे तक चलीं, और बड़ी संख्या में लोग इन सांस्कृतिक प्रदर्शनों का देर रात तक आनंद लेते रहे।

साहित्य

कथाकार, पत्रकार, पटकथा लेखक, इप्टा के संस्थापक सदस्य पद्मश्री ख्वाजा अहमद अब्बास की आज पुण्यतिथि है। ख़्वाजा अहमद अब्बास का जन्म 7 जून 1914 को पानीपत में हुआ था, 1 जून 1987 को महज 72 वर्ष की उम्र में मुंबई में उन्होंने आखिरी सांस ली। ख्वाजा साहब उच्चकोटि के लेखक थे, यह बताने की जरूरत नहीं, उनका लेखन ही इसकी गवाही देता है। यहां पाठकों के लिए प्रस्तुत है उनकी मशहूर रचना बनारस का ठग, जो दशकों पहले लिखी गई है, लेकिन मालूम पड़ता है कि आज के हालात बयां हो रहे हैं।

■ संपादक

बनारस का ठग

■ ख्वाजा अहमद अब्बास

रेलवे स्टेशन पर वाराणसी लिखा था। पुलिस स्टेशन के बाहर वाराणसी लिखा था। अस्पताल पर वाराणसी लिखा था। शराब की दुकान पर वाराणसी लिखा था। अफीम, गांजा और चरस की दुकान पर वाराणसी लिखा था। किताब की दुकान पर वाराणसी लिखा था। दवा की दुकान पर वाराणसी लिखा था। हकीम हाजीक-उल-मुल्क के क्लीनिक पर वाराणसी लिखा था। पिंजरापोल (बूढ़े या बीमार जानवरों के लिए एक घेरा) पर वाराणसी लिखा था। गौशाला पर वाराणसी लिखा था। पागलखाने पर वाराणसी लिखा था।

डाकघर में एक के बाद एक चिट्ठियों पर मुहर लग रही थी: वाराणसी, वाराणसी, वाराणसी; हथौड़े की चोट की तरह, तबले की ताल की तरह, वाराणसी वाराणसी, वाराणसी।

लेकिन जब यात्री ने एक राहगीर से पूछा, ' भाई , यह कौन सा शहर है?' तो उसका जवाब था, 'बनारस'।

अब तक खोया-खोया और भ्रमित-सा यात्री अचानक राहत से मुस्कुरा उठा। उसकी काली आँखें पुरानी यादों से चमक उठीं। उसके सूखे होठों पर मासूम मुस्कान उभर आई। वह वही बच्चा था जो माँ के पास घर आया था और कह रहा था, 'माँ, मैं आ गया।' यात्री बहुत दूर से आया था, लेकिन उसके चेहरे पर थकान का कोई निशान नहीं था। उसके घर में धुले हुए खुरदरे कपड़ों पर यात्रा की कोई गंदगी नहीं थी। उसके पास न तो बिस्तर था, न ट्रंक, लेकिन न जाने क्यों, ऐसा लग रहा था कि वह अपने कंधे पर बहुत बड़ा बोझ ढो रहा है।

उसे ठहरने की जगह चाहिए थी, इसलिए उसने एक राहगीर से पूछा, 'भैया, यहां भूली-भटियारन की सराय है?' 'नहीं,' जवाब मिला, 'लेकिन वहां एक मुस्लिम मुसाफिरखाना है।' 'गैर-मुसलमान कहां ठहरते हैं?' 'हिंदुओं के लिए कई धर्मशालाएं हैं।' 'और जो न मुसलमान हैं, न हिंदू?' उस आदमी ने एक होटल की ओर इशारा किया। बाहर एक बोर्ड लगा था, होटल वाराणसी, वाराणसी। यात्री यह सोचते हुए अंदर गया कि वाराणसी नाम दो बार क्यों लिखा है। अचानक उसने एक भयानक दृश्य देखा। एक काला सांप अपनी पूरी ऊंचाई पर उठा हुआ उसकी ओर बढ़ रहा था। वह उसके रास्ते से हट गया, लेकिन उस खूंखार अजगर को एक अर्धनग्न विदेशी महिला के सीने और कूल्हों से लिपटा देखकर और भी हैरान हो गया।

एक दाढ़ीवाला जादूगर कह रहा था, 'अजगर मेमसाब! अजगर से मत डरो मेमसाब! फोटो खींचो, सिर्फ दो रुपए।' भाषा न समझने वाले यात्री ने सोचा कि दाढ़ीवाला सपेरा अजगर से औरत पर हमला कर रहा है। इसलिए वह आगे बढ़ा और दोनों हाथों से सांप को पकड़कर जमीन पर पटक दिया। विदेशी महिला अपनी भाषा में चिल्लाने लगी। सपेरे ने यात्री की गर्दन पकड़ ली, 'क्या बकवास है, बुड्ढे! तुमने मेरा काम खराब कर दिया।' फिर उसकी आंखों में समझ की चमक आई। 'तो तुम भी जादूगर हो!' यात्री ने कहा, 'मैं जादूगर नहीं हूं, लेकिन तुम क्या कर रहे थे? यह बेचारी विदेशी महिला मर सकती थी।' 'चले जाओ, मूर्ख! सांप के दांत नहीं थे। मेमसाब ने उसे सिर्फ लोगों के फोटो खींचने के लिए गले में पहना था। जाओ, हमारे रास्ते से हट जाओ पागल।'

फिर उसने औरत की तरफ देखा और अपनी खोपड़ी की तरफ इशारा किया। 'मेमसाब, बुड्ढे, पागल आदमी, दिमाग नहीं है, पागल आदमी। अब अजगर प्यार करेगा, मेमसाब, फोटो खींचो, सिर्फ़ दो रुपये।'

अब यात्री होटल मैनेजर से बात कर रहा था। 'क्या मैं इस सराय में रुक सकता हूँ?' 'यह सराय नहीं है , यह होटल है।' 'ओह! अब सराय को होटल कहते हैं? हम्म... मैं यहाँ रुकना चाहता हूँ।' 'आप कहाँ से आए हैं?' 'अच्छा, मैं यहीं रहता हूँ.. और मैं यहाँ से इतनी दूर रहता हूँ कि कोई भी उस दूरी का मतलब नहीं समझ सकता।'

मैनेजर को यह बात बिल्कुल समझ में नहीं आई. उसने अपने रजिस्टर में प्रश्नावली भरनी शुरू कर दी.

'आपने यात्रा कैसे की? मेरा मतलब है, आप यहाँ कैसे आए, ट्रेन से?'

'नहीं'

'बस से?'

'नहीं'

'हवाई जहाज से?'

'नहीं। क्षमा करें, हाँ। आप मेरी यात्रा को एक उड़ान मान सकते हैं।'

'आपका सामान कहां है?'

'जहाँ मैं रहता हूँ, वहाँ सामान की कोई ज़रूरत नहीं है।'

'तो आप यहाँ नहीं रह सकते.'

'क्या आप इस होटल के मालिक हैं?'

'नहीं, मैं मैनेजर हूं।'

'मालिक कौन है?'

'स्वामी भगवान काशीद्वारकानाथ भंजम हैं।'

'तो फिर इसे होटल क्यों कहते हो? यह तो मंदिर है और भगवान के मंदिर में कोई भी यात्री मेहमान बन सकता है।'

मैनेजर हंसा, 'लेकिन यहाँ का मालिक किराया मांगता है। एक कमरे का किराया चालीस रुपए प्रतिदिन है। क्या तुम्हारे पास इतने पैसे हैं?'

यात्री क्रोधित हुआ, 'तो फिर इस जगह का मालिक कोई भगवान नहीं, शैतान है। मैं यहाँ नहीं रहना चाहता। मैं जा रहा हूँ।'

यह कहकर वह बाहर निकल गया।

उसके जाने के बाद मैनेजर ने मालवाहक से कहा, 'हमें किन पागलों से निपटना पड़ता है!'

और मालवाहक बोला, 'साहब, वह बहुत खतरनाक पागल है। मैंने अभी-अभी उसे अमेरिकी मेमसाब को परेशान करते देखा था और वह सांप छीनकर भागने ही वाला था।'

'तो तुमने मुझे क्यों नहीं बताया? अगर ऐसे पागल हमारे होटल के आस-पास घूमते रहेंगे तो पर्यटक यहाँ आना बंद कर देंगे।'

फिर उसने फोन उठाया और 4068 डायल किया।

अब यात्री भीड़ भरे बाजार में जा रहा था। वह सोच रहा था, मेरे दिनों में इतने लोग नहीं थे। उसने बनारसी साड़ियों और रेशमी कपड़ों की दुकानें देखीं। फिर उसने कुछ दुकानों में ऊनी कपड़े रखे देखे। तो उसने सोचा, यह सर्दियों के लिए अच्छा स्टॉक है; ये सब प्रगति के संकेत हैं।

कुछ दूर जाकर देखा तो सड़क पर मैले-कुचैले फटे-पुराने कपड़े पहने लोग नजर आए। कुछ समझ में नहीं आया। दुकानों में महंगी बनारसी साड़ियों के ढेर लगे थे , पर बाहर खड़ी औरत फटे-पुराने कपड़े पहने थी, जिनसे वह अपना और बच्चे का शरीर ढांपने की कोशिश कर रही थी। उसने दो दुबले-पतले मजदूरों को एक ठेला खींचते देखा। वे भी फटे -पुराने कुर्ते और धोती पहने हुए थे। पास ही एक दुकान में लालाजी अंगीठी पर हाथ ताप रहे थे। दूसरी तरफ, सुनहरे कढ़ाई वाला गर्म ऊनी कश्मीरी दोशाला पहने, सिर पर बीस गज पगड़ी रखे एक मौलवी मस्जिद की तरफ तेजी से बढ़ रहे थे।

तभी एक और बड़ी गाड़ी एक साड़ी की दुकान पर रुकी। एक आदमी उतरा और अंदर चला गया। उसकी काली गोल-मटोल उंगलियों पर हीरे चमक रहे थे, जैसे गंदे बदबूदार नाले के पानी में सितारे चमक रहे हों। किसी ने पूछा, 'क्या तुमने इन्हें पहचाना? ये सेठ करोड़ीमल पकौड़ीमल हैं। इन्होंने ब्लैक मार्केट में एक करोड़ रुपए कमाए हैं, जिनमें से एक लाख का मंदिर बनवाया है । ये अपनी बेटी को पांच लाख का दहेज देने की योजना बना रहे हैं, इसलिए यहां आए हैं। खास साड़ियां बनवाई हैं, एक-एक साड़ियां पांच सौ रुपए की हैं। समझे?'

यात्री को कुछ समझ नहीं आया। उसे बस इतना समझ आया कि दीवार के पास खड़ी महिला ठंड से कांप रही थी और उसकी गोद में बच्चा नीला पड़ रहा था।

इसी समय पास के मंदिर में एक भजन शुरू हुआ, अचानक यात्री के साथ कुछ गड़बड़ हो गई। वह भजन के साथ-साथ जोर-जोर से गाने लगा, लेकिन यह उसका अपना संस्करण था। बाजार से लोग उसके चारों ओर इकट्ठा होने लगे क्योंकि उसकी आवाज़ उनके दिल को छू गई थी। उन्होंने सदियों से ऐसी आवाज़ नहीं सुनी थी। यात्री गा रहा था:

हे भगवन् क्या यह आपका दरबार है ?
जहां अंतहीन उत्पीड़न है?
जोकर महलों में रहते हैं,
चोर-लुटेरे मौज-मस्ती करते हैं,
मूर्ख को बुद्धिमान कहते हैं,
बुद्धिमान को गँवार कहते हैं,
एक ऊनी वस्त्र पहने हुए है,
दूसरा बाज़ार में नंगा खड़ा है,
क्या यह आपका दरबार है ?
हे भगवन् , यह सरकार क्या है ?

यह सुनकर किसी ने कहा, 'वह जरूर कोई कम्युनिस्ट होगा।' दूसरे ने कहा, 'वह कबीरपंथी लगता है। ये शब्द कबीर जैसे हैं।' तीसरे ने कहा, 'नहीं, नहीं। आजकल के कबीरपंथी कबीर के शब्द नहीं गाते।' चौथे ने कहा, 'मैं कहता हूं, वह पागल है। बेचारा पागल है।' पांचवें ने कहा, 'कितना खतरनाक पागल है, जो ऐसे खतरनाक भजन गाता है !' छठे ने कहा, 'वह तो सिर्फ गा रहा है, बेचारा, वह कोई नुकसान नहीं कर रहा।' सातवें ने कहा, 'तुम्हें कैसे पता? ऐसे शब्दों से आग लग सकती है।' आठवें ने कहा, 'ऐसे शब्द जहरीले सांप हैं। इनके काटने का कोई इलाज नहीं है।'

अचानक किसी ने कहा, 'देखो, पागल आदमी क्या कर रहा है!' सबने पलटकर देखा कि यात्री ने सेठ की शॉल उतारकर एक रिक्शावाले को दे दी थी जो फटी हुई शर्ट और पैंट में ठिठुर रहा था। शॉल मिलते ही उसने जल्दी से अपना रिक्शा आगे बढ़ाया और नज़रों से ओझल हो गया। सेठजी अभी सहायता के लिए चिल्ला ही रहे थे कि मस्जिद से लौट रहे मौलवी ने चिल्लाना शुरू किया, 'अरे, अरे दोशाला , चोर के पीछे भागो, उसके पीछे भागो, वह चुरा ले गया है।' लेकिन मुसाफिर ने वह ऊनी दोशाला भिखारिन को दे दी, जिसने अपने बच्चे को उसमें लपेटा और नज़रों से ओझल हो गई। अब सभी मुसाफिर को ढूँढ रहे थे, लेकिन मुसाफिर गायब हो चुका था। मौलवी की दाढ़ी क्रोध से काँप रही थी; वे लगातार बुदबुदा रहे थे, मानो नमाज़ पढ़ रहे हों। 'अरे, मज़हर - उल - अजैब , बदमाश यहीं था और अब चला गया। किसी ने कहा, 'ये दिनदहाड़े डकैती है। सेठजी और मौलवी को थाने में रिपोर्ट दर्ज करानी चाहिए। चोर तुरंत पकड़ा जाएगा।'

दूसरे ने कहा, 'वह चोर नहीं है। वह ठग है। उसने हमारी आँखों में धूल झोंकी और शॉल लेकर गायब हो गया।' तीसरे ने कहा, 'वह सचमुच ठग नहीं लग रहा था, वह तो एक सीधा-सादा बूढ़ा आदमी लग रहा था।' दूसरे ने उत्तर दिया, 'बनारस में अधिकांश लोग भोले-भाले दिखते हैं। वह निश्चित रूप से ठग था।' चौथे ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि वह चोर या ठग था, अन्यथा वह चोरी का माल खुद ही ले जाता। दूसरों को क्यों देता? वह पागल होगा। वह पागल आदमी होगा।' सेठ जिसका पेट क्रोध से वैसे ही काँप रहा था जैसे मौलवी की दाढ़ी क्रोध से काँप रही थी, बोला, 'यह पागलपन बहुत खतरनाक है, अगर ऐसे दो-चार पागल और आ गए तो हमारा धंधा चौपट हो जाएगा।' यह कहकर उसने पास पड़े फोन पर डायल किया... 4068।

वहाँ से बहुत दूर, सारनाथ के खंडहरों में यात्री घूम रहा था। यात्री बहुत देर तक भगवान की मूर्ति के सामने खड़ा रहा; गौतम की अभयमुद्रा उसे सांत्वना दे रही थी और वे पत्थर की आँखें, जो दुनिया के दर्द को समझ चुकी थीं, उससे बातें करती रहीं। यात्री की आँखें मौन की भाषा बोल रही थीं, 'मुझे शक्ति दो, मुझे शांति दो, हे शाक्यमुनि, बहुत दिनों के बाद मैं लौटा हूँ।'

गौतम के होंठ बिना हिले-डुले बोल उठे। 'तुम कहीं से वापस नहीं आए। तुम कभी कहीं गए ही नहीं। तुम लोगों के दिलों में सोए हुए थे। अब तुम उनके दिलों में जाग गए हो। तुम यहीं रहोगे। तुम यहीं हो...हर जगह, जैसे मैं यहाँ हूँ, मैं वहाँ हूँ, मैं हर जगह हूँ। हम हर जगह हैं। हम हर समय में हैं। लेकिन आज, खास तौर पर, हम यहाँ हैं, यहीं।'

जगर से मत डरो मेमसाब! फोटो खींचो, सिर्फ दो रुपए। भाषा न समझने वाले यात्री ने सोचा कि दाढ़ीवाला सपेरा अजगर से औरत पर हमला कर रहा है। इसलिए वह आगे बढ़ा और दोनों हाथों से सांप को पकड़कर जमीन पर पटक दिया। विदेशी महिला अपनी भाषा में चिल्लाने लगी। सपेरे ने यात्री की गर्दन पकड़ ली, 'क्या बकवास है, बुड्ढे! तुमने मेरा काम खराब कर दिया।' फिर उसकी आंखों में समझ की चमक आई। 'तो तुम भी जादूगर हो!' यात्री ने कहा, 'मैं जादूगर नहीं हूं, लेकिन तुम क्या कर रहे थे? यह बेचारी विदेशी महिला मर सकती थी।' 'चले जाओ, मूर्ख! सांप के दांत नहीं थे। मेमसाब ने उसे सिर्फ लोगों के फोटो खींचने के लिए गले में पहना था। जाओ, हमारे रास्ते से हट जाओ पागल।'

फिर वह बुद्ध मंदिर की ओर चला गया। प्रवेश द्वार पर उसने संगमरमर की पटियाएँ देखीं, जिन पर धनी दानियों के नाम खुदे हुए थे; उनमें सेठ करोड़ीमल पकौड़ीमल भी थे, जिनकी शॉल उसने आज ही ली थी।

'यह क्या है?' उसने एक भिक्षु से पूछा । पीले वस्त्र पहने भिक्षु ने कहा, 'ये उन दानवीरों के नाम हैं जिन्होंने मंदिर निर्माण के लिए पैसे दिए हैं।' वह मंदिर में घुस गया। वहाँ उसने देखा कि लाखों-करोड़ों मनुष्यों को मुक्ति देने वाली महान आत्मा एक पीले धातु के आवरण में थी। भिक्षु बोला, 'मूर्ति के चारों ओर यह आवरण आठ मन सोने से बना है।'

और यात्री ने उत्तर दिया, 'यह सोना कितनी शक्तिशाली धातु है; यह बुद्ध जैसी आत्मा को अपनी मुट्ठी में रख सकता है!' यह टिप्पणी भिक्षु की समझ से परे थी। इस बीच, उसने देखा कि भिक्षु पेंटिंग, मूर्तियाँ और किताबें बेचने वाली दुकान पर खड़ा था। यात्री ने एक और भिक्षु को देखा जो बुद्ध की मूर्ति के सामने लगातार दंडवत कर रहा था। 'लेकिन महात्मा बुद्ध ने कहा था, 'मेरी मूर्ति कभी मत बनाना।' उन्होंने यह भी कहा, 'कभी किसी मूर्ति के सामने दंडवत मत करना।'

लेकिन भिक्षु कोई प्रार्थना कर रहा था और हर बार वह जमीन पर गिर जाता और अपना माथा रख देता। यात्री ने देखा कि ठंडे संगमरमर के फर्श पर भिक्षु ने एक गर्म ऊनी शॉल बिछा रखा था ताकि उसका शरीर ठंडे फर्श को न छुए। उसे लगा कि यह झूठी भक्ति भगवान बुद्ध का अपमान कर रही है; कि भिक्षु बुद्ध की पवित्र आत्मा का मजाक उड़ा रहा है। इसलिए वह नीचे झुका और एक झटके में उसने ऊनी कपड़ा खींच लिया, बहुत से भिक्षु, पहरेदार, पर्यटक उसके पीछे दौड़े, लेकिन यात्री हवा में गायब हो गया। 'वह पागल आदमी है, महाराज।' भिक्षु ने मंदिर के प्रबंधक को बताया जो अपने रजिस्टर में दान का हिसाब लिख रहा था। और गार्ड ने कहा, 'वह एक खतरनाक पागल है। उसने मूर्ति के सोने के आवरण को टुकड़े-टुकड़े कर दिया, लेकिन एक भी टुकड़ा अपने साथ नहीं ले गया। वह पूरी तरह से पागल है!' मंदिर के प्रबंधक ने कहा, 'बुद्धं शरणं गच्छामि।' और उसकी उंगलियों ने डायल किया...4068।

घूमते-घूमते यात्री एक श्मशानघाट पर पहुँच गया। यात्री ने देखा कि एक अकेला बूढ़ा आदमी अपनी बाहों में कफ़न में लिपटा एक शव लेकर जा रहा है। इस अर्थी को कंधा देने वाला कोई नहीं था। यात्री बूढ़े आदमी के पास गया और बोला, 'तुम थक गए हो। मुझे शव दे दो।'

बूढ़ा आदमी बस रोता रहा। उसने शव को यात्री को सौंप दिया और कहा, 'सावधान रहना। यह मेरा इकलौता बेटा है।' उसने 'है' का इस्तेमाल किया क्योंकि वह 'था' नहीं बोल सकता था। वे दोनों घाट पर पहुँचे , जहाँ लोहे के घेरे में लकड़ी के लट्ठों का ढेर लगा हुआ था।

एक पंडा उन पर चिल्लाता हुआ आया, 'तुम लोग यहाँ कैसे आ गए? यह तो राजाओं - महाराजाओं के दाह-संस्कार का स्थान है। यहाँ किसी का दाह-संस्कार करने के लिए पाँच सौ रुपये लगते हैं।'

दूसरी ओर द्वारपालों का एक और समूह था, जो मृत्यु के महल के संरक्षक थे।

पहले व्यक्ति ने कहा, 'लकड़ी के लिए चालीस रुपये लगेंगे। पैसे दे दो।'

दूसरे ने हाथ बढ़ाया, 'पांच रुपए घी के लिए।'

तीसरे ने मुट्ठी खोली, 'पंडित के लिए पाँच रुपये चढ़ावे।'

चौथे ने कुल रकम बताई, 'कुल मिलाकर पचास रुपए।'

'इसके अलावा ठेकेदार को सवा रुपया।'

'ठेकेदार?' यात्री आश्चर्यचकित हुआ। 'क्या किसी ने मौत का ठेका ले रखा है?'

'हाँ, बिना सवा रुपया दिए यहाँ किसी का दाह संस्कार नहीं हो सकता।'

'इक्यावन रुपए और पच्चीस पैसे।'

तीसरे ने कहा, 'अगर तुम्हारे पास पैसे नहीं हैं तो यहां से चले जाओ।'

चौथे ने अपनी छड़ी ज़मीन पर मारी, 'जल्दी करो, काम का समय है।'

बूढ़े व्यक्ति की आंखों से आंसू बह रहे थे और उसने यात्री से कहा, 'मेरे पास कुछ भी नहीं है, जो कुछ भी था, मैंने उसके इलाज पर खर्च कर दिया।'

अचानक एक अमीर आदमी की लाश आई। बैंड-बाजे, फूल-मालाओं के साथ, ऐसा लग रहा था जैसे कोई बारात हो।

मौत के ठेकेदार उस दिशा में भाग गए। यात्री ने देखा कि लकड़ियों के एक बड़े ढेर पर चिता जल रही थी; उसने उस पर बूढ़े के बेटे का शव रख दिया। कुछ ही मिनटों में एक की जगह दो शव जलने लगे।

बूढ़े ने कहा, 'धन्यवाद भाई,' और फूट-फूट कर रोने लगा। उसके रोने की आवाज सुनकर मौत के ठेकेदार भागे। जब उन्होंने देखा कि बिना उनका हक चुकाए एक और लाश जल रही है, तो उन्होंने अपनी लाठियां उठा लीं।

यात्री ने बहुत धीरे से कहा, 'वह अभी मरा है और तब भी मरेगा। उसे जलाया जाए या नहीं, इससे उसकी आत्मा पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। लेकिन उसका बूढ़ा पिता व्याकुल हो जाएगा।' फिर उसकी आवाज में कठोरता का भाव आया, 'और मैं ऐसा नहीं होने दूंगा।' वह चिता और मौत के ठेकेदारों के बीच खड़ा था।

'बूढ़े आदमी, हम तुम्हें इस आग में फेंक देंगे।'

'ऐसा करो। अब मैं जलने, डूबने या मौत के किसी भी डर से मुक्त हूँ। लेकिन याद रखना मैं तुममें से कम से कम एक को अपने साथ इन लपटों में घसीट कर ले जाऊँगा।'

लाठी लिए वह आदमी उसकी ओर बढ़ने ही वाला था कि भीड़ में से कोई चिल्लाया, 'उसके पास मत जाओ। वह पागल आदमी है। लाठी चलाने वाला पीछे हटा और युवक का शव जला दिया गया। जब आग की लपटें शांत हुईं तो उन्होंने देखा कि पागल आदमी गायब हो गया था और बूढ़ा आदमी अकेला खड़ा राख टटोल रहा था।

'चलो, थाने में जाकर कह दें कि वह पागल आदमी यहीं कहीं है।'

स्टेशन हाउस ऑफिसर ने उनकी रिपोर्ट को बहुत ध्यान से सुना। उसने फोन उठाया और 4068 डायल किया।

--

ठंडी सुनसान सड़क पर शिकारी कुत्ते और पुलिस उस पागल आदमी की तलाश कर रहे थे। वह आदमी, जिसने एक दिन में पूरे शहर को उलट-पुलट कर दिया था।

तारों की रोशनी में, एक सफेद इमारत दिखाई दे रही थी। उसके बगल में कुछ लोग आग के पास बैठे थे।

'ये बिल्डिंग क्या है भाई? एक तरफ से मस्जिद और दूसरी तरफ से मंदिर जैसी दिखती है।'

'यह मस्जिद और मंदिर दोनों था। इसे बादशाह अकबर के समय में बनाया गया था ताकि हिंदू और मुसलमान, सभी धर्मों के लोग एक ही जगह पर प्रार्थना कर सकें। फिर औरंगजेब ने इसे तोड़कर मस्जिद बना दिया। फिर किसी राजा ने इसे मंदिर में बदल दिया।' 'और अब यह क्या है?' यात्री ने पूछा। 'अब यह न तो मंदिर है, न ही मस्जिद, यह कुछ भी नहीं है।'

'मेरे जैसे व्यक्ति के लिए जो सब कुछ है और कुछ भी नहीं है, जो हर जगह है और कहीं भी नहीं है, मेरे लिए यह सही जगह है।'

वह अभी भी इमारत के बाहर ही था जब शिकारी कुत्तों की आवाजें बहुत करीब से आने लगीं।

--

थाने के अंदर पुलिस सब इंस्पेक्टर ने पूछा, 'बूढ़े आदमी, आपका नाम क्या है?'

यात्री ने अपना नाम बताया।

'आप क्या करते हैं?'

'पहले मैं जुलाहा था, जिसे तुम बड़े लोग जुलाहा कहते हो। मैं कपड़ा बुनता था। प्रेम की चादर और ज्ञान के ताने से मैंने सत्य की चादर बुनने की कोशिश की । लेकिन मेरा करघा कब का टूट गया। मैं उसे ढूँढ़ने आया था, यह सोचकर कि शायद किसी को मिल गया हो और वह मेरा काम कर रहा हो। लेकिन तुम लोगों ने मुझे समय ही नहीं दिया।'

'वह सचमुच पागल है,' सब-इंस्पेक्टर ने अपने हवलदार से कहा।

'हम उसे तुरंत भेज देंगे, वरना कौन जाने रात में वह क्या करेगा।'

फिर उसने फोन उठाया और डायल किया...4068.

दूसरी तरफ से आवाज आई, 'नमस्ते, यह पागलखाना है।'

सब-इंस्पेक्टर ने कहा, 'सुनो, बनारस का वह ठग पकड़ा गया है। लेकिन वह ठग नहीं है। बूढ़ा पागल है। हम उसे तुरंत भेज रहे हैं। अगर तुम उसे अभी दाखिल कर सको तो शुक्रिया।'

दूसरी तरफ से सवाल आया, 'नाम? उसका नाम क्या है?'

सब-इंस्पेक्टर ने कहा, 'नाम कबीरा है।' और फोन रख दिया।

लेकिन यात्री जा चुका था।

(अनुवाद : सैयदा सैयदैदैन हमीद)

मुख्यमंत्री ने अहिल्या वाहिनी बाइक रैली और महिला प्रतिभागियों की बस को झंडी दिखाकर किया रवाना, बोले-

अहिल्या बाई नारी सशक्तिकरण की प्रतीक थीं

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के पावन अवसर पर निकाली जा रही अहिल्या वाहिनी महिला बाइक रैली महिला सशक्तिकरण का प्रतीक है। यह रैली, समृद्ध भारतीय संस्कृति में विद्यमान नारी सम्मान और महिला की सशक्त छवि की अभिव्यक्ति भी है। लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर हर काल में सुशासन की प्रतीक रही है। जब विदेशी आक्रांता दिल्ली से बैठकर भारत पर शासन कर रहे थे, तब लोकमाता ने महिला सशक्तिकरण की अद्भुत मिसाल पेश की। रानी दुर्गावती, वीरांगना लक्ष्मीबाई और रानी अवंती बाई ने भी नारी सम्मान को ऊंचाई दी। रानी अहिल्याबाई एक आदर्श बहू, आदर्श मां, आदर्श पत्नी और महान शासिका थीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जयंती के उपलक्ष्य में प्रदेश में मनाए जा रहे जनकल्याणी पर्व के अंतर्गत शौर्य स्मारक पर अहिल्या वाहिनी महिला बाइक रैली के शुभारंभ अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मां तुझे प्रणाम योजना के अंतर्गत महिला प्रतिभागियों की बस को भी झंडी दिखाकर रवाना किया। ग्वालियर चंबल संभाग की महिलाएं प्रदेश के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण करेंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का कार्यक्रम स्थल पहुंचने पर पुलिस बैंड की धुन के साथ भव्य स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को महिला पुलिस अधिकारियों ने सलामी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शौर्य स्मारक स्थित भारत माता की प्रतिमा तथा लोकमाता अहिल्याबाई के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महिला बाईकर्स का सम्मान किया तथा सड़क सुरक्षा के प्रतीक स्वरूप एक महिला दो पहिया चालक को हेलमेट भी भेंट किया। कार्यक्रम के दौरान मध्यप्रदेश पुलिस ऑर्केस्ट्रा ने देशभक्ति गीतों की मनमोहक प्रस्तुति दी।

इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री कृष्णा गौर, सांसद वी.डी. शर्मा, महापौर श्रीमती मालती राय, विधायक भगवान दास सबनानी, अपर मुख्यि सचिव गृह जे.एन कंसोटिया, डीजीपी कैलाश मकवाना, विशेष पुलिस महानिदेशक प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव सहित प्रदेश के वरिष्ठ जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण, महिला पुलिसकर्मी, स्कूली छात्राएं एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने डिजिटल मार्केटिंग कार्यशाला का किया शुभारंभ, कहा-

लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम है सोशल मीडिया

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि वास्तविक तथ्यों को जन-जन तक पहुंचने में सोशल मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है, इस दृष्टि से सोशल मीडिया लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सोशल मीडिया की इस क्षमता को पहचान कर सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म के माध्यम से जन-जन से निरंतर संवाद और संपर्क में रहते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनजातीय अनुसंधान संस्थान (टी.आर.आई.) द्वारा जनजातीय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के लिए आयोजित डिजिटल मार्केटिंग कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए यह विचार व्यक्त किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनजातीय संग्रहालय में दीप प्रज्वलित कर तथा जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को तुलसी का पौधा, रुद्राक्ष की माला और अंगवस्त्रम भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट इंदौर के निदेशक डॉ. हिमांशु रॉय मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे। अपर मुख्य सचिव तथा निदेशक टी.आर.आई विनोद कुमार, बाल भारती के पूर्व अध्यक्ष निशांत खरे, आयुक्त तथा सचिव जनसंपर्क सुदाम खाड़े विशेष रूप से उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सोशल मीडिया का उपयोग कर व्यक्ति अपनी क्षमता, योग्यता और प्रतिभा को बहुत आसानी से बढ़ा सकता है, यह जनसामान्य को वर्तमान समय में उपलब्ध हुई सरल किन्तु महत्वपूर्ण और जीवन बदल देने वाली तकनीक है। प्रजातांत्रिक व्यवस्था में प्रत्येक व्यक्ति को आगे बढ़ने के अवसर समान रूप से उपलब्ध हैं, इस स्थिति में सोशल मीडिया की तकनीकों की उपलब्धता सौभाग्य का विषय है। इसके उपयोग से व्यक्ति अपनी क्षमता का लगातार विस्तार कर सकता है। सोशल मीडिया तकनीकों का उपयोग अपने व समाज के हित और प्रगति के लिए करना सभी के लिए लाभदायक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी डिजिटल प्लेटफार्म पर सक्रिय होने के लिए सभी को प्रेरित व प्रोत्साहित कर रहे हैं।

अपर आयुक्त टी.आर.आई लक्ष्मण सिंह मरकाम ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव से मिली प्रेरणा के अनुरूप जनजातीय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के लिए डिजिटल मार्केटिंग कार्यशाला आयोजित की जा रही है। जनजातीय युवाओं को स्थानीय बोली और भाषा में समृद्ध जनजातीय संस्कृति और परंपराओं के प्रचार-प्रसार के लिए डिजिटल कंटेंट तैयार करने के संबंध में कार्यशाला में प्रशिक्षण दिया जाएगा।

भाजपा प्रदेश पदाधिकारियों की कामकाजी बैठक

संगठन के कार्यक्रमों पर हुई चर्चा

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह बदलते दौर का नया भारत है। श्री मोदी की जनहितैषी योजनाओं के बल पर आज भारत विकसित देशों के श्रेणी की और अग्रसर है। पहलगाम में हुए कायराना आतंकवादी हमले के बाद देश की सेनाओं ने ऑपरेशन सिंदूर चलाकर आतंकवाद परस्त पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है। श्री मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था बन गया है। जब मैं मुख्यमंत्री बना था तब मध्यप्रदेश की प्रति व्यक्ति आय 1 लाख 42 हजार थी, जो बढ़कर अब 1 लाख 55 हजार हो गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत राष्ट्रहित से जुड़े ऐसे कठिन निर्णय लिए हैं जिनकी कल्पना नहीं की जा सकती थी। श्री मोदी के नेतृत्व में सेना ने पाकिस्तान की कमर तोड़ने का कार्य किया है। आज का भारत श्री मोदी के नेतृत्व में सशक्त व सक्षम राष्ट्र के रूप में दुनिया के सामने आया है।वहीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं के परिश्रम से विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव में इतिहास बना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश ने बहुत ही कम समय में कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्वगुरु बनने की राह पर तेजी से कदम बढ़ा रहा है। हाल ही में हुई 2 घटनाओं से इसकी पुष्टि होती है। भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने मोदी सरकार के 11 साल 'संकल्प से सिद्धि तक' एवं अन्य संगठनात्मक कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए कहा कि 9 जून को प्रदेश स्तर पर एवं 10 से 11 जून को जिला स्तर पर मोदी सरकार की 11 साल की उपलब्धियों को पत्रकार वार्ता के माध्यम से बताया जाएगा।

प्रधानमंत्री के दौरे से पहले नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने पूछे सवाल

भोपाल, देशबन्धु। देवी अहिल्याबाई होलकर के 3 सौवीं जयंती पर शनिवार को राजधानी भोपाल में महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आ रहे हैं। इसके पहले मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने महिला सशक्तिकरण को लेकर ही भाजपा से कुछ अहम सवाल पूछे हैं। उन्होंने पत्रकार वार्ता में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी कल मध्यप्रदेश आ रहे हैं, महिला सशक्तिकरण की बात की जा रही है, लेकिन हर बार की तरह इस बाद भी वादे तो खूब किए जाएंगे, लेकिन प्रदेश की जनता के सवालों के जवाब इस महासम्मेलन में नहीं मिलेंगे। श्री सिंघार ने सवाल किया कि लाड़ली बहनों को 3 हजार कब मिलेंगे?, देश में महिला आरक्षण कब लागू होगा?, मध्यप्रदेश पुलिस में 33 प्रतिशत महिलाओं की भागीदार कब होगी, स्व सहायता समूहों को आजीविका से जोड़ने के लए क्या योजना ला रहे हैं? हाईकोर्ट में सिर्फ 3 प्रतिशत महिला जज क्यों? मेट्रो प्रोजेक्ट लेट होने से सरकार को करोड़ों का नुकसान हुआ, ये कर्ज कैसे चुकाया जाएगा, क्या मेट्रो टिकट मंहगा होगा? और अच्छे दिन में मंहगाई क्यों बढ़ रही है।

प्लास्टिक प्रदूषण का उन्मूलन विषय पर आधारित होगा इस वर्ष का पर्यावरण दिवस : कोठारी

भोपाल, देशबन्धु। प्रमुख सचिव पर्यावरण नवनीत मोहन कोठारी ने मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून, 2025 की तैयारियों के संबंध में विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। श्री कोठारी ने कहा कि इस वर्ष के पर्यावरण दिवस का विषय ''प्लास्टिक प्रदूषण का उन्मूलन'' पर आधारित रहेगा। प्रदेश में इस वर्ष के अभियान ''एक पेड़ माँ के नाम'' का शुभारंभ विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून से किया जायेगा। यह अभियान 30 सितम्बर तक चलाया जायेगा। अभियान में जन-सहयोग से पौध-रोपण किया जायेगा। उन्होंने पर्यावरण दिवस पर राज्य स्तरीय मध्यप्रदेश वार्षिक पर्यावरण पुरस्कार के संबंध में भी बिन्दुवार जानकारी ली।

प्रमुख सचिव श्री कोठारी ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर भोपाल में किया जायेगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। प्रमुख सचिव ने बताया कि समारोह में एकीकृत पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली पोर्टल का भी शुभारंभ किया जायेगा। उन्होंने कहा कि एप्को द्वारा पर्यावरण प्रशिक्षण कार्यक्रम अंतर्गत एप्को इंस्टीट्यूट द्वारा आम नागरिकों एवं विभिन्न आयु वर्ग के प्रतिभागियों द्वारा जागरूकता कार्यक्रम किए जाएंगे। इसमें मुख्य रूप से पक्षी दर्शन, बूट कैम्प्स, क्विज प्रतियोगिता, ऑनलाइन वेबिनार, वेस्ट आउट ऑफ वेस्ट एवं कपड़े के थैले बनाने की कार्यशाला भी होगी। उन्होंने अधिकारियों से डॉयस प्लॉन, प्रचार-प्रसार एवं अन्य गतिविधियों के बारे में भी जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक में एप्को के कार्यपालिक संचालक श्रीमन शुक्ला, मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव अच्युतानंद मिश्रा और विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री की उपस्थिति रचा जाएगा विकास और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का इतिहास : शर्मा

भोपाल, देशबन्धु। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 मई को देवी अहिल्याबाई होल्कर की 3 सौं वीं जयंती पर होने वाले ऐतिहासिक महिला सशक्तिकरण सम्मेलन में आने वाले हैं। कार्यक्रम के दौरान श्री मोदी की उपस्थिति में प्रदेश के विकास और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का नया इतिहास रचा जाएगा। यह सम्मेलन महिला सशक्तिकरण को समर्पित होगा। ऑपरेशन सिंदूर के बाद जंबूरी मैदान में होने वाले 2 लाख से अधिक महिलाओं का यह सम्मेलन देश में महिलाओं का सबसे बड़ा कार्यक्रम होगा। उन्होंने ये जानकारी आज एक पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए दी। श्री शर्मा ने कहा कि पार्टी की सभी महिला सांसद, विधायक, महापौर, जिला पंचायत अध्यक्ष अलग-अलग स्थानों पर प्रधानमंत्री का स्वागत करेंगी। उनके अलावा समाज में महत्वपूर्ण काम करने वाली बहनें, महिला खिलाड़ी, जनप्रतिनिधि, स्व सहायता समूहों की बहनें भी अभिनंदन करेंगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री भोपाल से ही सतना और दतिया एयरपोर्ट का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। पत्रकार वार्ता के दौरान पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी, रणवीर सिंह रावत, हरिशंकर खटीक, सरतेंदू तिवारी, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्रीमती माया नारौलिया, प्रदेश मंत्री राहुल कोठारी एवं प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल उपस्थित रहे।

आरोप-प्रत्यारोप पार्टी बनकर रह गई कांग्रेसत्र

श्री शर्मा ने कहा कि आने वाले समय में जब चुनाव होंगे, तब बड़ी संख्या में हमारी बहनें लोकसभा और विधानसभाओं में पहुंचेंगी, जिसकी व्यवस्था प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से की है। यह बात हमारी बहनें भी भली भांति जानती हैं। उन्होंने कहा कि मैं कांग्रेस के नेताओं से पूछना चाहता हूं कि जिन बहनों को कांग्रेस पार्टी अपना वोट बैंक मानती रही है, उन बहनों को तीन तलाक के नर्क से मुक्ति दिलाने के लिए कांग्रेस की सरकारों ने क्या किया? देश में 55-60 सालों तक कांग्रेस की सरकारें रहीं, लेकिन उन्होंने कोई कदम नहीं उठाया।

आंगनबाड़ी केन्द्रों में 1 से 15 जून तक ग्रीष्मकालीन अवकाश

- कार्यकर्ता-सहायिका रहेंगी सक्रिय
- अवकाश अवधि में आंगनवाड़ी होंगी व्यवस्थित

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश के आंगनबाड़ी केन्द्रों में आगामी 1 से 15 जून तक 15 दिवसीय ग्रीष्मकालीन अवकाश घोषित किया गया है। यह अवकाश केन्द्रों में नियमित रूप से आने वाले 3 से 6 आयु वर्ग के बच्चों एवं अन्य हितग्राहियों के लिए होगा। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका की उपस्थिति इस अवधि में अनिवार्य रहेगी। महिला बाल विकास विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, यह अवधि आंगनबाड़ी केन्द्रों के रख-रखाव, दस्तावेज संधारण, वार्षिक सर्वेक्षण तथा पोषण संबंधित गतिविधियों के लिए निर्धारित की गई है। इस दौरान केन्द्रों में बच्चों के लिए नाश्ता एवं गर्म पका भोजन के स्थान पर रेडी टू ईट भोज्य पदार्थ महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा वितरित किया जाएगा। केन्द्रों की साफ-सफाई और मरम्मत-भवन की सफाई, खेल सामग्री की व्यवस्था, रसोई व शौचालय की मरम्मत तथा पेयजल की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।इसके अतिरिक्त रिकॉर्ड संधारण का कार्य किया जाएगा।सम्पूर्ण उपकरणों एवं फर्नीचर का स्टॉक पंजीकरण, टेक होम राशन वितरण का विवरण, संपर्क एप्लिकेशन में डाटा अपलोडिंग की जायेगी।इस अवधि में वार्षिक सर्वेक्षण (स्त्क) भी किया जाएगा।एक से 10 जून तक परिवार सर्वेक्षण एवं हितग्राही पहचान की जाएगी, जबकि 10 से 15 जून के मध्य अधिकारियों द्वारा समीक्षा की जाएगी। पोषण वाटिका की तैयारी-बाउंड्रीवॉल युक्त केन्द्रों और कुपोषित बच्चों के घरों में पोषण वाटिका हेतु क्यारियाँ तैयार की जाएंगी।

स्विमिंग पूल में डूबने से युवक की मौत

भोपाल, देशबन्धु। स्विमिंग पूल में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। वह शादी समारोह में शामिल होने दोस्तों के साथ फार्म हाउस गया था। यहां स्विमिंग पूल में नहाने के दौरान डूब गया। दोस्तों ने उसे बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। यहां शुक्रवार सुबह उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।घटना गुनगा के हर्राखेड़ा में बने विकेशन विला फार्म हाउस की है। यहां गुरुवार को शादी का आयोजन था। भोपाल के कबीटपुरा का रहने वाला अयान अहमद (20) दोस्त की बहन की शादी में आया था।

पूरा दिन शादी की तैयारियों में लगा रहा। शादी समारोह से पहले दोस्तों के साथ स्विमिंग पूल में नहाने उतर गया। वह नहाते हुए स्लाइड से गहरे पानी में चला गया। इसके बाद ऊपर नहीं आया। इसका वीडियो भी सामने आया है। जब अयान पानी में डूबा तो पूल में दस से अधिक लोग मौजूद थे। अचानक एक युवक का ध्यान गया कि अयान पानी में जाने के बाद बाहर नहीं आया। तब जाकर उसे बाहर निकाला गया।

CHANGE OF NAME

I , DILIP KUMAR SINGH IS FATHER OF ARMY NO - 18023853Y RANK SPR NAME ASHUTOSH KUMAR SINGH SERVING IN 56 ENGR REGT C/O 56 APO HOME ADDRESS AT - THATHOPUR, THATHUPUR , DARBHANGA, THATHOPUR, BIHAR , 847105 HAVE CHANGED MY NAME FROM DILIP KUMAR SINGH TO DILIP SINGH IN MY ALL DOCUMENTS VIDE AFFIDAVIT DATED 31/05/2025 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR M.P

प्रथम पृष्ठ का शेष

सरकार हर क्षेत्र में बहनों को : अद्भुत शौर्य दिखाया है। आज दुनिया राष्ट्र रक्षा में भारत की बेटियों का शौर्य देख रही है। भारत सरकार ने पहली बार सैनिक स्कूलों के दरवाजे बेटियों के लिए खोले हैं। वर्ष 2014 से पहले एनसीसी में सिर्फ 25 प्रतिशत बेटियां कैडेट्स होती थीं। हमारी सरकार ने इसे 50 प्रतिशत किया है। उन्होंने बताया कि कल ही एनडीए से महिला कैडेट्स का पहला बैच पास आउट हुआ है। अब बेटियां मोर्चे पर तैनात हो रही हैं। बेटियां युद्धपोत संभालने से लेकर लड़ाकू विमान तक उड़ा रही हैं। नेवी की दो वीर बेटियों ने 250 दिनों में नाव से धरती का चक्कर लगाया है। यह बोट सिर्फ हवा से चलती है, यह दिखाता है कि चुनौती कितनी भी बड़ी हो भारत की बेटियां उस पर विजय पा सकती हैं। नक्सल ऑपरेशन में भी बेटियां सुरक्षा की ढाल बन रही है।

इंदौर को मिली मेट्रो : इस मौके पर डॉ. मिश्रा ने मांग की है कि दतिया एयरपोर्ट का नाम श्री रावतपुरा सरकार एयरपोर्ट दतिया रखा जाए क्योंकि श्री रावतपुरा का इस एयरपोर्ट निर्माण में विशेष सहयोग रहा है। वहीं दूसरे मांग पत्र में प्रस्ताव रखा गया है कि दतिया से संचालित होने वाली विमानन सेवा का नाम 'ऑपरेशन सिंदूर' रखा जाए। कार्यक्रम में नवीन एवं नवकरणीय मंत्री राकेश शुक्ला, विधायक प्रदीप अग्रवाल, रमेश खटीक, नरेन्द्र कुशवाहा, अम्बरीश शर्मा और स्थानीय जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

असली मुद्दा यह नहीं कि कितने : इस रिपोर्ट को आवश्यक संशोधनों के बाद 23 फरवरी 2000 को संसद के दोनों सदनों के पटल पर रखा गया था। क्या मोदी सरकार अब सिंगापुर में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ द्वारा किए गए खुलासे के मद्देनज़र वैसा ही कोई कदम उठाएगी? पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने 7 मई को पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया था। 7 मई को ही पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने संसद में दावा किया था कि हमने भारत के हमले के जवाब में कार्रवाई की, जिसमें 5 भारतीय लड़ाकू विमानों को मार गिराया गया। पांच विमानों में 3 राफेल थे। बाद में पाकिस्तान 6 भारतीय विमान गिराने का दावा करने लगा था। जब ब्लूमबर्ग ने पूछा कि पाकिस्तान कहता है कि उसने 6 लड़ाकू विमान गिरा दिए तो इस पर सीडीएस ने कहा, बिल्कुल गलत।

सीडीएस के खुलासे के बाद देश को जवाब दे: सिंगापुर में सीडीएस के साक्षात्कार के बाद कई महत्वपूर्ण सवाल खड़े हुए हैं और इन सवालों को पूछना आवश्यक हो गया है इसलिए सरकार को तुरंत संसद का विशेष सत्र बुलाकर इन सवालों का जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि सैन्य कार्रवाई को लेकर अब जो परतें खुलकर सामने आ रही हैं उनसे साफ है कि मोदी सरकार ने देश को गुमराह किया है।

रोजगार सहायक ने सीपीआर देकर बचाई जान

भेरून्दा, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम में शामिल होने भोपाल जा रही बस के चालक को अचानक अटैक आ गया, जिस पर बस में मौजूद जनपद पंचायत भेरूंदा की ग्राम पंचायत पाचोर के रोजगार सहायक अमित शर्मा ने सीपीआर देकर उनकी जान बचा ली।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के महिला सशक्तिकरण सम्मेलन में शामिल होने जा रही जनपद पंचायत भैरूंदा की ग्राम पंचायत जामुनिया वाजाप के अन्तर्गत आने वाले ग्राम नादिया खेड़ा से बस में बैठाकर भोपाल ले जा रहे महिला यात्रियों की बस के चालक संदीप कहार निवासी विक्रमपुर तहसील कन्नौद जिला देवास निवासी को विद्यानगर भोपाल के करीब पहुंचने पर अटैक आया। बस बहकने लगी तो बस में मौजूद जी.आर. एस. अमित शर्मा ने ग्राम कोटवार की मदद से बस को संभाला। उसके बाद तत्काल बस चालक को सीपीआर देकर वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया। जिस पर सीहोर कलेक्टर बाला गुरु के. ने एसडीएम एम. एस. रघुवंशी भेरून्दा को तत्काल स्वास्थ्य स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक निर्देश देते हुए समीपस्थ अधिकारियों को निर्देशित किया गया। तुरंत एसडीएम एम.एस. रघुवंशी ने तहसीलदार भेरून्दा सौरभ शर्मा को एसएमएच हास्पिटल पहुंचने का निर्देश दिया। एम्बुलेंस की मदद से बस चालक को तत्काल निकटवर्ती अस्पताल में भर्ती कराया गया। साथ ही एस.डी.एम. ने तत्काल चालक के इलाज के लिए 25 हजार रुपए की राशि तत्काल अस्पताल के खाते में हस्तांतरित की।

हर वार्ड में लगी बस को पार्षदों द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

नपा अध्यक्ष ने दिखाई महासम्मेलन में शामिल होने भोपाल जा रही बस को हरी झंडी

भेरून्दा, देशबन्धु। लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300 वीं जयंती पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार सुबह 11:15 बजे भोपाल के जंबूरी मैदान में महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन किया संबोधित।

प्रधानमंत्री मोदी ने लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर को समर्पित एक स्मारक डाक टिकट और 3 सौ रुपए का विशेष स्मृति सिक्का भी जारी किया। जिसमें देवी अहिल्याबाई होल्कर की छवि अंकित है। 5 बस में नगर भैरुंदा की लगभग 250 महिला प्रतिभागियों को नगर परिषद अध्यक्ष तथा पार्षदों ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना। शासन के आदेश अनुसार 31 मई को हर जगह मनाई जाएगी लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की जयंती। प्रदेश की राजधानी भोपाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मनाई। लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 3 सौंवी जयंती और देश एवं प्रदेश को दी । नई-नई सौगात इस प्रकार से इस महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन द्वारा ही स्वागत से लेकर संबोधित तक महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम की कमान महिलाओं द्वारा ही सम्भाली गई । इस प्रकार हर शहर एवं हर गांव से महिला सशक्तिकरण की टीम भोपाल के जम्बूरी मैदान पहुंची।

सीहोर जिला कलेक्टर बाला गुरु के. के आदेश से नगर भेरूंदा में घर-घर पीले चावल के साथ निमंत्रण कार्ड वार्ड प्रभारी एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका के द्वारा दिए गए।

हर वार्ड में महिलाओं को भोपाल महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में जाने के लिए बताया गया। इस प्रकार हर वार्ड में बस का इंतजाम किया गया?। जिससे महिला सशक्तिकरण सुविधाजनक भोपाल पहुंच सके। सभी को खाने के पैकेट एवं पानी की व्यवस्था भी की गई। इसी प्रकार सुबह नगर परिषद अध्यक्ष मारुति शिशिर ने सभी पांचों बसों को हरी झंडी दिखाकर भोपाल महासम्मेलन के लिए रवाना किया। इसी प्रकार अपने-अपने हर वार्ड में लगी बस को पार्षदों द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष मारुति शिशिर, उपाध्यक्ष प्रतिनिधि रितेश मकवाना, मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रफुल्ल गठरे एवं अनुसूचित जाति प्रदेश के सह मीडिया प्रभारी कैलाश धावरे एवं पार्षद प्रतिनिधि,पार्षद मेहरबान सिंह सराठे , पार्षद महेंद्र गोलू जाट, पार्षद प्रतिनिधि मुकेश अग्रवाल, महिला बाल विकास परियोजना सुपर वाईजर अरुणा पाठक,सचिन पंवार आदि कर्मचारी मुख्य रूप से मौजूद रहे।

सार समाचार

जैन मंदिर में श्रुत पंचमी का त्यौहार मनाया गया

दिगौड़ा, देशबन्धु। आज कस्बा के जैन मंदिर में आज श्रुत त्योहार धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मंदिर में जैन समाज के लोगों द्वारा शास्त्र के ऊपर नवीन वस्त्र चढ़ाकर पूजा अर्चना की गई और श्रीजी का अभिषेक किया गया।

सत्येन्द्र जैन निवासी दिगौड़ा ने बताया है कि आज शनिवार की सुबह पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर दिगौडा में श्रुत पंचमी का त्यौहार धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर शास्त्र के उपर नवीन अछार चढाए गए व श्रीजी का अभिषेक कर शांति धारा की गई। इसके उपरांत शास्त्र पूजा अर्चना की गई। इस अवसर पर मंदिर में विशेष उत्साह देखने को मिला। इस दौरान मंदिर में जैन समाज के कई महिलाएं व पुरुष उपस्थित हुए।

बिजली कंपनी की लापरवाही एक बार फिर आई सामने

तार टूटकर गिरने से हुई मौत

दिगौड़ा, देशबन्धु। कस्बे में इन दिनों बिजली कंपनी की लापरवाही एक बार फिर से सामने आई है। यहां पर बिजली अधिकारी के द्वारा बिजली कर्मचारियों को बिजली की लाइनों का सही मेंटेनेंस करने के निर्देश नहीं दिए जाते हैं और न ही जिम्मेदार अधिकारी द्वारा क्षेत्र में बिजली लाइनों की मौके पर जाकर जांच की जाती है, जिससे दिगौड़ा क्षेत्र में कई घटनाएं सामने आ रही हैं। आज ऐसी ही एक घटना सामने आई है जिसमें दिगौड़ा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत धर्मपुरा के खारई गांव में खेत पर कार्य कर रहे व्यक्ति के ऊपर बिजली की बड़ी लाइन का तार टूटकर गिरने से मौके पर मौत हो गई।

स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत धर्मपुरा के खारई गांव में आज विनोद उर्फ पप्पू यादव उम्र 42 साल अपने खेत पर कृषि कार्य कर रहे थे। इसी दौरान अचानक बिजली की बड़ी लाइन का तार टूटकर गिर गया। बिजली करेंट की चपेट में आने से विनोद उर्फ पप्पू यादव की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक व्यक्ति के दो पुत्र हैं और अचानक हुई इस घटना से परिवार के लोगों का रो रो कर बुरा हाल है। घटना की सूचना फैलते ही गांव में क्षेत्र में मातम सा छा गया है।

लोगों ने बताया है कि इस क्षेत्र में डली हुई बिजली की लाइनों में कमजोर व खस्ताहाल बिजली के तार कई सालों से डले हुए हैं। यह तार खराब होने की स्थिति में आ गए हैं जो कभी भी टूट जाते हैं। इन बिजली की लाइनों का कर्मचारियों द्वारा सही तरीके से मेंटेनेंस व रखरखाव नहीं किया जाता है।

लोगों द्वारा शिकायत करने पर भी बिजली कंपनी द्वारा इन खस्ताहाल व पुराने तारों को बदलने का कार्य नहीं किया जाता है, जिससे ऐसी घटनाएं सामने आती हैं। लोगों ने शासन व प्रशासन से अपील की है कि दिगौड़ा क्षेत्र में कई सालों से डली बिजली लाइनों की जांच कराकर खस्ताहाल व पुरानी बिजली के तारों को निकाल कर नए बिजली के तार डलवाएं जाएं, जिससे खेतों पर कार्य कर रहे किसानों व आबादी वाले क्षेत्रों में किसी के साथ ऐसी घटनाएं न हो सकें।

अहिल्याबाई होलकर जयंती पाल समाज ने धूमधाम से मनाई

पलेरा, देशबन्धु। न्याय प्रिया प्रशासक, सामाजिक कुरीतियों से जीवन पर्यंत लड़ने वाली नारी सम्मान एवं प्रतिष्ठा का प्रतीक महारानी अहिल्याबाई होल्कर की 300वी जयंती नगर में पाल समाज के द्वारा शनिवार को धूमधाम से मनाई गई।

पाल सेना के तत्वावधान में देवी अहिल्याबाई होल्कर की जयंती पर एक रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में पाल समाज के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए और लोग माता देवी अहिल्याबाई होलकर के जय-जयकारों से स्वागत किया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आयोजित रैली में बच्चे जवान और बुजुर्ग सभी ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। नगर के बाद बस स्टैंड के पास पाल के आम नागरिक एवं पदाधिकारियों ने रैली का पुष्पवर्षा, आतिशबाजी और पानी पाउच का वितरण कर स्वागत किया। इसके अलावा नगर में भी जगह-जगह रैली का स्वागत किया गया।

नगर में निकाली गई बाइक रैली

-शनिवार के दिन पाल सेना के कार्यकर्ताओं द्वारा आयोजित कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए निर्धारित किए गए समय पर संपूर्ण नगर में बाइक रैली निकाली गई। हाथों में झंडा लेकर तमाम नारों से पूरा नगर गूंजयमान हो गया।

त्यौहारों को लेकर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित

दिगौड़ा, देशबन्धु। पुलिस थाना परिसर में आज शनिवार की शाम 6 बजे आगामी त्योहारों को लेकर शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में आने वाले त्योहार बकरा ईद सहित अन्य आगामी त्यौहारों को लेकर हिन्दू व मुस्लिम समुदायों के उपस्थित व्यक्तियों से चर्चा की गई और आने वाले आगामी त्योहारों को मनाने के लिए शासन व प्रशासन की गाइडलाइन का पालन करने के निर्देश दिए गए।

यह बैठक थाना प्रभारी संदीप सोनी द्वारा ली गई, जिसमें दिगौड़ा बम्होरी सहित कई ग्रामों के जनप्रतिनिधियों, गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

इस बैठक में थाना प्रभारी ने बताया कि शासन व प्रशासन के दिशा निर्देश के अनुसार आने वाले आगामी त्योहारों को मनाएं। किसी भी त्योहार को नशे का सेवन करके बिल्कुल न मनाएं। त्योहार के दौरान कोई अप्रिय घटना घटती है तत्काल पुलिस को सूचित करें। वही मुस्लिम त्यौहार को लेकर बताया गया कि मुस्लिम समाज के आने वाला त्योहार बकरीद कस्बे में शांति व आपसी भाईचारे के साथ मनाएं। शांति समिति में उपस्थित सभी व्यक्तियों को बताया गया कि आगामी सभी हिन्दू व मुस्लिम त्यौहार शांति, सौहार्द व आपसी भाईचारे के साथ मनाएं। बैठक में थाना प्रभारी ने सभी को साइबर फ्रॉड, नीड, परी, सहारा, बाल विवाह रोकने अभियान रोकने की जानकारी दी गई और विश्व तंबाकू दिवस पर सभी को नशा न करने की सलाह दी गई। बैठक के दौरान थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्रामों में हो रही समस्याओं के बारे में उपस्थित लोगों से जानकारी लेकर उनका निराकरण करने का आश्वासन दिया।

इस बैठक में मुख्य रूप से फूल सिंह घोष, जाफर खान, बलबीर दांगी, रहीश घोष, हरिश्चंद्र दांगी, दिनेश राजपूत, राजा साहू, नत्थू खान, हुसैन खान, रघुवीर चढ़ार, राघवेंद्र राजपूत, रविंद्र चढ़ार, सोने सिंह घोष, राहुल रैकवार, राज यादव, कल्लू यादव, बाबूलाल लोधी, सहित कई जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, पत्रकारगण व पुलिस स्टाफ उपस्थित रहे।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर गायत्री शक्तिपीठ के तत्वाधान में कार्यक्रम आयोजित

टीकमगढ़, देशबन्धु । अंतर्राष्ट्रीय तम्बाकू निषेध दिवस 31 मई के अवसर पर, गायत्री शक्ति पीठ टीकमगढ़ के तत्वावधान में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में लोगों ने तम्बाकू और गुटका न लेने का संकल्प लिया और जनजागरूकता के लिए भी संकल्प लिया गया।

अंतर्राष्ट्रीय तम्बाकू निषेध दिवस : हर साल 31 मई को विश्व स्वास्थ्य संगठन और उसके साझेदार विश्व भर में विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाते हैं, जिसमें तंबाकू के उपयोग से जुड़े स्वास्थ्य जोखिमों पर प्रकाश डाला जाता है और तंबाकू की खपत को कम करने के लिए प्रभावी नीतियों की वकालत की जाती है।

कार्यक्रम का उद्देश्य : इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को तम्बाकू के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूक करना था और उन्हें तम्बाकू का सेवन छोड़ने के लिए प्रेरित करना था.

संकल्प : कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने तम्बाकू और गुटका न लेने का संकल्प लिया और उन्होंने दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया।

जनजागरूकता : कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को तम्बाकू के सेवन से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों के बारे में जानकारी दी गई और उन्हें तम्बाकू से दूर रहने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

गायत्री शक्ति पीठ टीकमगढ़ - यह कार्यक्रम गायत्री शक्ति पीठ टीकमगढ़ के तत्वावधान में आयोजित किया गया था, जो एक धार्मिक और सामाजिक संगठन है जो विभिन्न सामाजिक कल्याण गतिविधियों में भी शामिल है। स अवसर पर श्रीमती पूनम अग्रवाल विभा श्रीवास्तव नीमेश राय महेश बादल विष्णु खरे सर्वेश पाण्डेय मुन्ना लाल सेन शिवनारायण गोस्वामी रघुवीर आनंद सहित महिलाएं युवा मौजूद रहे।

विश्व तंबाकू दिवस पर नवांकुर संस्था ने बैठक की आयोजित

दिगौड़ा, देशबन्धु। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद टीकमगढ़ सेक्टर दिगौड़ा की ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति नवांकुर संस्था शाहपुर ने आज व31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर ग्राम शाहपुर में बैठक का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में समाज के युवाओं को नशा न करने की सीख दी गई। नशा से होने वाले परिणामों के बारे में बताया गया। नशा करने की वजह से मुख्य रूप से कैंसर, टीवी, हृदय रोग जैसी कई बीमारियां हो जाती हैं। नशा नाश की जड़ है, इसलिए जो भी व्यक्ति नशे का सेवन करते हैं। वह आज से ही नशा का त्याग कर दें। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों को बताया गया नशा छोटा हो या बड़ा कभी नहीं करना चाहिए। इस दौरान बैठक में उपस्थित सभी लोगों को नशा न करने की शपथ भी दिलाई गई।

इस बैठक में ब्लॉक समन्वयक राजकुमार जैन, उमेश दीक्षित, राहुल अहिरवार एवं समिति के सदस्य पप्पू पाल, जुगल लोधी, वीर सिंह पाल, रिंकी, रश्मि, रोशनी, मलीदा, लखन पाल, रोशनी पाल सभी संस्था के सदस्य एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

केन्द्रीय मंत्री ने किया अस्पताल का निरीक्षण

इमरजेंसी वार्ड की व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश

टीकमगढ़, देशबन्धु। केन्द्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने शनिवार को टीकमगढ़ जिला अस्पताल का दौरा किया। उन्होंने ऑक्सीजन प्लांट, आईसीयू और सर्जिकल वार्ड का निरीक्षण किया। मंत्री ने दवाओं के स्टॉक की जानकारी ली और मरीजों से स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में चर्चा की।

कोरोना संक्रमण के बढ़ते खतरे को देखते हुए मंत्री ने स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने पर जोर दिया। सिविल सर्जन डॉ अमित शुक्ला को इमरजेंसी वार्ड तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी वार्डों में ऑक्सीजन सप्लाई सुचारू रखने को कहा। दवाओं का पर्याप्त स्टॉक रखने के भी निर्देश दिए।

मंत्री ने अस्पताल में स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने मरीजों के परिजनों से अस्पताल परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने की अपील की। निरीक्षण के दौरान सिविल सर्जन डॉ अमित शुक्ला, अस्पताल प्रबंधक अंकुर साहू, सांसद प्रतिनिधि अनुराग वर्मा, सुरेश दौंदेरिया, इंद्र विक्रम सिंह और अस्पताल स्टाफ मौजूद रहे।

एसडीओपी मनोज मिश्रा को समारोह पूर्वक दी विदाई

गंज बासौदा देशबन्धु। विगत दिवस शुक्रवार को रात्रि में नौलखी मंदिर वाटर वर्क्स पर एसडीओपी मनोज कुमार मिश्रा की सेवानिवृत्ति पर उनके स्नेहीजनों एवं नागरिकों द्वारा समारोह पूर्वक विदाई दी गई।

इस अवसर नौलखी खालसा के श्री महंत राम मनोहर दास महाराज ने कहा कि एसडीओपी के रूप में मनोज मिश्रा का कार्यकाल आदर्श रहा है वे धार्मिक सामाजिक कार्यक्रमों में अग्रणी भूमिका में रहते थे पुलिस की नौकरी में रहकर धर्म का पालन और शासकीय सेवा दोनों दायित्वों का इन्होंने उचित निर्वहन किया है।

एसडीएम विजय राय ने कहा कि मुझे श्री मिश्रा के अनुभवों का लाभ अनेक अवसरों पर मिला है क्षेत्र में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों में हम साथ बैठकर योजना बनाते थे मैं उनकी कमी हमेशा महसूस करूंगा।

कथा व्यास पंडित केशव प्रसाद शास्त्री ने कहा कि मनोज मिश्रा का कार्यकाल आदर्श रहा है वे मृदुभाषी, सेवाभावी, व्यवहार कुशल शैली से कार्य करते रहे हम सभी उनकी सेवानिवृत्ति पर उनको उज्जवल भविष्य की बधाई देते हैं।

कार्यक्रम का संचालन अभिषेक शर्मा गुरूजी ने किया एवं आभार नितिन सक्सेना ने जताया।

इस अवसर पर देहात थाना प्रभारी आशुतोष सिंह राजपूत, विहिप प्रांत समरसता प्रमुख सुनील यादव, मुरारी अग्रवाल, रवि उपाध्याय, भाजपा नेता मनोज यादव, यशवंत दुवे, पवन रिछारिया, हेमंत मिश्रा, पार्षद नीलू चंद्रशेखर चौबे, जगदीश तिवारी, केशव हाड़ा, हरिशंकर झा, सत्यम दुवे बावली, विकास महाराज, गजेन्द्र राजपूत, लालचंद कुशवाहा, रामकृष्ण राजपूत, सोनू अरोरा, रामराज झा, अंकित विश्वकर्मा, नरेश राजपूत, अतुल ठाकुर, सौरभ गुर्जर, पत्रकार अमित शुक्ला, अनुज दुवे, जगदीश शर्मा, संतोष महाराज, विवेक विश्वकर्मा, कपिल रघुवंशी, नितिन भाटे सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं उनके परिवार जन उपस्थित थे।

अहिल्याबाई जयंती पर महाविद्यालय में व्याख्यान और परिचर्चा आयोजित

सिरोंज, देशबन्धु। शासकीय लाल बहादुर शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के द्वारा लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300 वीं जयंती पूर्ण उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता श्री दिनेश चंद्र गर्ग आध्यात्मिक का स्वागत शॉल श्रीफल से महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर लाल चंद्र राजपूत एवं वरिष्ठ प्राध्यापक सीताराम तिवारी ने किया। ज्ञात हो कि दिनेश चंद्र गर्ग नगर के प्रतिष्ठित समाजसेवी एवं योगाचार्य हैं।

वरिष्ठ प्राध्यापक प्रोफेसर अनामिका ठाकुर का स्वागत शॉल श्रीफल से डॉ कल्पना पंचोली, श्रीमती दीप्ति शर्मा एवं श्रीमती वर्षा पटेल ने किया । डॉक्टर सैयद उरूज अहमद ने अहिल्याबाई होल्कर द्वारा समाज के हित में किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए उनके योगदान का वर्णन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दिनेश चंद्र गर्ग ने अपने उद्बोधन में कहा कि लोकमाता का दर्जा केवल अहिल्याबाई होल्कर को ही मिला है।

श्री गर्ग ने लोकमाता देवी अहिल्याबाई के जन्म से लेकर अंतिम सांस तक उनके द्वारा किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि वे इतिहास की बहुत बड़ी समाज सेविका , कुशल प्रशासक एवं धार्मिक व्यक्तित्व की प्रतिमूर्ति थीं। महाविद्यालय की जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष शिवकुमार भार्गव ने कार्यक्रम की सफलता एवं आयोजन पर स्टाफ एवं विद्यार्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर नरेंद्र सिंह दांगी ने किया एवं आभार प्रोफेसर सीताराम तिवारी ने माना। इस अवसर पर समस्त स्टाफ और विद्यार्थी मौजूद थे।

व्यक्ति को दीमक की तरह खाता है नशा: महेंद्र लोधी

गंज बासौदा देशबन्धु। अंतर्राष्ट्रीय धुम्रपान निषेध दिवस पर ग्राम बंजरिया में संस्था मां शीतला ह्यूमन सोशल डेवलपमेंट सोसाइटी की तत्वाधान में विशेष धूम्रपान निषेध का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ में मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महेंद्र लोधी ने अपने उद्बोधन में कहा कि नशा परिवार के लिए दीमक की तरह खाता है नशा किसी भी तरह का हो वह समाज का अहित करता है जिससे परिवार टूटने लगता है और नैतिक मूल्यों में गिरावट आती है इसकी अधिक प्रयोग करने से व्यक्ति की संवेदनशीलता ह्रास होता है. बच्चे बूढ़े महिला पुरुष सभी इस तरफ आकर्षित हैं जिससे नशीली पदार्थ का अवैध व्यापार बढ़ रहा है।

कार्यक्रम के अंत में 10 ग्राम वासियों ने नशा नहीं करने का संकल्प पत्र भरकर कहा कि हम आज से कोई नशा नहीं करेंगे। कार्यक्रम के अंत में संस्था सदस्य उमेश नामदेव ने उपस्थित सभी ग्राम वासियों का आभार व्यक्त किया।

मुख्य अतिथियों ने बच्चों को खेल भावना के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया

एक महीने तक बच्चों ने सीखे 10 खेल, समापन पर हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम

एसपी-सीईओ ने बांटे पुरस्कार

टीकमगढ़, देशबन्धु । पुलिस परेड ग्राउंड में एक महीने तक चले ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का शनिवार को समापन हो गया। खेल और युवा कल्याण विभाग की ओर से 1 मई से 31 मई तक बच्चों को विभिन्न खेलों का प्रशिक्षण दिया गया।

शिविर में बच्चों को फुटबॉल, ऐथलेटिक्स, हॉकी, सॉफ्टबॉल, कराटे, योग, वॉलीबॉल, लॉन टेनिस, बास्केटबॉल और मलखंभ का प्रशिक्षण दिया गया। समापन के अवसर पर बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। समापन समारोह में जिला पंचायत सीईओ नवनीत धुर्वे और एसपी मनोहर मंडलोई मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। मुख्य अतिथियों ने बच्चों को खेल भावना के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

एडिशनल एसपी सीताराम ससत्या ने बताया कि कार्यक्रम में सभी प्रतिभागी बच्चों और प्रशिक्षकों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में पुलिस और प्रशासन के अधिकारी शामिल रहे।

समारोह में एएसपी सीताराम ससत्या, एसडीओपी राहुल कटरे, यातायात प्रभारी कैलाश पटेल, सूबेदार उत्तम सिंह, कोतवाली थाना प्रभारी पंकज शर्मा, देहात थाना प्रभारी चंद्रकांत यादव, खेल प्रशिक्षक अनूप मंडल, पी प्रसन्ना और सुनीता के साथ बड़ी संख्या में बच्चे और अभिभावक मौजूद रहे।

जिला प्रशासन से यहां से जल्द से जल्द शराब दुकान हटाए जाने की मांग को दोहराया

शराब दुकान हटवाने किया मौन प्रदर्शन

श्री नसिया मंदिर से सागर नाका स्थित प्राचीन जिन शरणम जिनालय तक भव्य शोभायात्रा निकाली गई

दमोह देशबन्धु। सकल जैन समाज के द्वारा श्रुत पंचमी के पावर अवसर पर शनिवार को श्री नसिया जी मंदिर से सागर नाका स्थित प्राचीन जिन शरणम जिनालय तक भव्य शोभायात्रा निकाली गई जिसमें प्राचीन जिन प्रतिमाओं के साथ जिनवाणी जी की पालकी श्रद्धा का केंद्र रही। बैंड बाजा और धूमधाम के साथ निकली शोभा यात्रा का जगह-जगह जैन समाज के साथ अन्य समाज के लोगों ने भी स्वागत किया। शोभा यात्रा के सागर नाका कृषि उपज मंडी गेट पर पहुंचने के दौरान अचानक भक्ति धुन के बीच सभी लोगों ने 2 मिनट का मौन धारण करके अनूठा भक्ति प्रदर्शन किया। दरअसल यह मौन भक्ति जिला प्रशासन आबकारी विभाग तथा शराब ठेकेदार को सद्बुद्धि के लिए किया गया था। उल्लेखनीय की कृषि उपज मंडी गेट पर संचालक शराब दुकान को हटाए जाने की मांग को लेकर शक्ल जैन समाज के द्वारा लगातार विरोध प्रदर्शन के बीच प्रशासन को ज्ञापन दिए जाते रहे हैं। साथ ही स्पष्ट किया जाता रहा है कि इस शराब दुकान के आसपास मंदिर मंडी एवं विद्यालय संचालित है जिसे ध्यान में रखकर इस तरफ दुकान को पूर्व में घोषित निर्णय अनुसार आगे सागर नाके पर स्थानांतरित किया जाए। लेकिन आबकारी विभाग की हट धर्मिता के चलते ठेकेदार द्वारा शराब दुकान को यहां से नहीं हटाया जा रहा है। शनिवार को यहां पर आयोजित कार्यक्रम को ध्यान में रखकर हालांकि प्रशासन के द्वारा यह शराब दुकान को बंद रखने के निर्देश जारी कर दिए गए थे। लेकिन यहां से शराब दुकान को हमेशा के लिए बंद किये जाने की मांग को जारी रखते हुए जैन समाज की शोभायात्रा के दौरान मौन रखकर यह भक्ति प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर प्रतिष्ठाचार्य आशीष शास्त्री ने जनप्रतिनिधियों तथा जिला प्रशासन से यहां से जल्द से जल्द शराब दुकान हटाए जाने की मांग को दोहराया। एवं णमोकार मंत्र का जाप करके जैन विधि विधान से विरोध किया गया। इस दौरान शेरा सेठ सगरा, हिरदेपुर सरपंच मंटू खटीक, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि राजू ठाकुर, भाजपा किसान मोर्चा के अध्यक्ष हरिश्चंद्र गुड्डू पटेल, दिगंबर जैन पंचायत के अध्यक्ष सुधीर जैन मंगलम, कुंडलपुर कमेटी के अध्यक्ष चंद्र कुमार सराफसहित बड़ी संख्या में महिलाओं, बच्चों सहित सकल जैन समाज के द्वारा प्रशासन से उनकी धार्मिक भावनाओं से खिलवाड़ नहीं किए जाने की अपील की ।

मुख्यमंत्री ने छत्रसाल की गादी पर माल्यार्पण कर महाराजा छत्रसाल को शौर्य और पराक्रमी बताया

पन्ना,देशबन्धु। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉण् मोहन यादव छत्रसाल जयंती पर गुरुवार को पन्ना प्रवास के दौरान नगर के छत्रसाल पार्क पहुंचे। इस मौके पर बुंदेलखण्ड केशरी महाराजा छत्रसाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प वर्षा कर नमन किया। इस अवसर पर पंडित श्याम बिहारी दुबे द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिपूर्वक पूजन अर्चन कराया गया साथ में पंडित खेमराज जी शर्मा द्वारा भी वैदिक मंत्रोच्चार मैं सहयोग किया गया । मुख्यमंत्री डॉण् यादव ने श्री प्राणनाथ मंदिर ट्रस्ट के सदस्य एवं पदाधिकारियों से ट्रस्ट के कार्यों और गतिविधियों की जानकारी भी ली। मुख्यमंत्री के आगमन पर न्यास सदस्यों द्वारा उत्साहपूर्वक आत्मीय स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉण् यादव ने छत्रसाल की गादी पर भी माल्यार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने महाराजा छत्रसाल को शौर्य और पराक्रमी बताया। मुख्यमंत्री ने पन्ना गौरव दिवस की शुभकामनाएं भी दीं और प्राणनाथ ट्रस्ट के सामाजिक कार्यों और उत्तरदायित्व की भी सराहना की। इस अवसर पर श्री 108 प्राणनाथ जी मंदिर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष तिलक राज शर्माए सचिव राकेश कुमार शर्माए ट्रस्टी चंद्र कृष्ण त्रिपाठीए दिनेश शर्माए प्रमोद शर्माए अभय शर्माए गोपाल शर्माए रंजीत शर्माए प्रबंधक मनोज शर्मा एवं राजेश शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर महाराजा छत्रसाल पर लिखी पुस्तक एवं न्यास द्वारा मुख्यमंत्री को महाराजा छत्रसाल का चित्र भी भेंट किया गया।

गौ हत्या के आरोपियों को पकड़ने की मांग को लेकर पुलिस को दिया ज्ञापन

दमोह देशबन्धु। जबेरा थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम चंडी चोपरा में विगत दिवस एक गौमाता की अज्ञात हत्यारों द्वारा निर्ममता पूर्वक हत्या कर दी गई थी जिसका अभी तक कोई सुराग नहीं मिलने के कारण सकल हिंदू समाज में रोष व्याप्त है। ऐसे निर्दयी हत्यारों की शीघ्र गिरफ्तारी कि मांग को लेकर शनिवार को जिला पुलिस अधीक्षक के नाम एसडीओपी देवी सिंह ठाकुर को विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल की कार्यकर्ताओं ने जबेरा थाना पहुंचकर ज्ञापन सौपा है। ज्ञापन में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल ने मांग करते हुए कहा है कि विगत दिवस चंडी चोपरा में गौ माता की निर्ममता के साथ हत्या की गई थी जो सर्व हिंदू समाज की आस्था का विषय है जिसमें हुई गिरफ्तारी या तमाम कार्यवाही संदेहास्पद नजर आ रही है। पिछले समय में विश्व हिंदू परिषद द्वारा दिए गए ज्ञापन में स्पष्ट भी किया गया था कि जल्द से जल्द आरोपी पकड़े जाने की मांग की गई थी। ज्ञापन में मांग करते हुए कहा है कि शीघ्र ही गौ हत्यारे पकड़े जाएं और मामले का पर्दाफाश किया जाए यह शासन प्रशासन को संगठन की अंतिम चेतावनी है।इसके पूर्व विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के कार्यकर्ताओं द्वारा थाना परिसर मंदिर में हनुमान चालीसा का पाठ कर ज्ञापन सौंपते हुए शीघ्र ही आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की गई। इस दौरान जबेरा थाना प्रभारी विकास सिंह चौहान ने बताया कि पुलिस आरोपियों को पकड़ने का निरंतर प्रयास कर रही है और पुख्ता साक्ष्य मिलने पर निष्पक्ष कार्यवाही करते हुए आरोपियों को जेल भेजा जाएगा। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के ब्लॉक अध्यक्ष सहित सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्तागण मौजूद रहे।

गीता विश्वकर्मा हुई सेवा निवृत्त

दमोह/तेंदूखेड़ा देशबन्धु। नगर के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तेंदूखेड़ा में पदस्थ गीता विश्वकर्मा अपनी अर्धवार्षिकी सेवा पूर्ण कर सेवा निवृत्त हुई। गीता विश्वकर्मा बहुत ही सौम्य स्वभाव की मिलनसार एवं कर्तव्यनिष्ठ शिक्षिका हैं, उन्होंने अपना कार्य हमेशा ईमानदारी एवं लगन पूर्वक किया । 31 मई को विद्यालय परिवार द्वारा उनका सेवानिवृत्ति समारोह आयोजित कर उन्हें श्री राम दरबार, शाल, श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्था प्राचार्य पी एल रैकवार ,वरिष्ठ शिक्षक के एल चौकसे, स्वदेश नेमा, श्रीपाल यादव, चंद्रशेखर हजारी, दीपक विदौल्या, जी.पी. अहिरवाल, गणेश सिंह ठाकुर, हरि मेहरा, सतीश खरे शिक्षिका, जानकी नेमा, लक्ष्मी रैकवार, रजनी जैन, अभिलाषा शर्मा द्वारा अपने उद्बोधन में उनके सेवाकाल में किए गए कार्य की प्रशंसा की । कार्यक्रम का संचालन जुगल शर्मा ने किया। इस अवसर पर संस्था के शिक्षक अवधेश पांडे, अरविंद यादव, वीरेंद्र यादव, राजेश जैन, नरेंद्र अहीरवाल, शिक्षिका सुरभि जैन, अंजली खरे, वर्षा नामदेव, अतिथि शिक्षक दशरथ सिंह, दीपेश कटारे, नगर के सांदीपनि विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य बहादुर सिंह, शिक्षक अमित श्रीवास्तव, माध्यमिक शाला के प्रधानाध्यापक तेजी सिंह ठाकुर, शिक्षक शैलेन्द्र यादव, भारत साहू, प्राथमिक कन्या शाला की प्रधानाध्यापिका जैन मैडम एवं गीता विश्वकर्मा के परिवार के सदस्यों पति महेंद्र विश्वकर्मा पूर्व सी एम ओ, पुत्र जितेंद्र, धीरेन्द्र, वीरेंद्र एवं उनकी पुत्र बंधुएं, रिश्तेदारों की उपस्थिति रही ।

जल गंगा संवर्धन अभियान: प्राचीन बावड़ी के जीर्णोद्धार के लिए किया श्रमदान

दमोह देशबन्धु। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जिला कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी दमोह, के निर्देशानुसार देवी श्री अहिल्याबाई होल्कर की 300 वी जन्म जयंती के अवसर पर प्रचीन बावड़ी का जीर्णोद्धार किया जाना है, उक्त निर्देशानुसार विकासखंड पटेरा मे ग्राम हिनौती मे हनुमान मंदिर के समीप स्थित बावड़ी मे श्रमदान से बावड़ी मे फैले कचरे तथा अनावश्यक झाड़-झंकर को हटाकर बावड़ी को स्वच्छ बनाया गया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पटेरा ने कहा कि, यह हमारी प्राचीन अनमोल धरोहर है, इनकी सुरक्षा, स्वच्छता तथा संरक्षण का कार्य स्थानीय जन जागरुकता तथा उनके योगदान से ही संभव है। श्रमदान करने वालों में मुख्य रूप से ग्राम पंचायत के लटोरी सींग, भगवत सिंह यादव सहित राघवेंद्र, नीरज, सचिन, गोलू, आनंद छात्रों में सदाशिव, साहिल तिवारी, लोकेंद्र सिंह राजपूत, राहुल नामदेव, वर्षा राजपूत, परामर्शदाता मनीष मिश्रा, विजय ताम्रकार, आभा दुबे, ज्योति दुबे सहित विद्यार्थी तथा ग्रामबासी सहभागी रहे।

शत.प्रतिशत छात्र हुए प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण

वैष्णव माता महाविद्यालय नर्सिंग का जीएनएम द्वितीय व तृतीय वर्ष का परीक्षा परिणाम घोषित

पन्ना,देशबन्धु।पन्ना शहर के वैष्णव माता महाविद्यालय नर्सिंग पन्ना में अध्ययनरत जीएनएम द्वितीय सत्र 2021.22 एवं तृतीय वर्ष 2020.21 के परीक्षा परिणाम मध्य प्रदेश नर्सेस रजिस्ट्रेशन कांउसिल भोपाल द्वारा गत दिवस घोषित किया गया है। परीक्षा परिणाम के बारे में नर्सिंग महाविद्यालय के संचालक अंकुर त्रिवेदी व प्राचार्य शिभा सिंह सोलंकी ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि घोषित किए गए उक्त परीक्षा परिणामों में संस्था का परीक्षा परिणाम शत.प्रतिशत रहा व सभी छात्र.छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। जिसमें जीएनएम द्वितीय वर्ष की परीक्षा में मनीषा कोरी ने 88.86 प्रतिशत के साथ प्रथम स्थानए प्रियंका बसोर ने 81.71 प्रतिशत के साथ द्वितीय व वंदना सिंगरौल ने 80.86 प्रतिशत के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया शेष छात्र.छात्रायें प्रथम श्रेणी के साथ ही उत्तीर्ण हुए। वहीं जीएनएम तृतीय वर्ष की परीक्षा में सान्या नामदेव ने 83.25 प्रतिशत के साथ प्रथम स्थानए मनोज अहिरवार ने 82.75 प्रतिशत द्वितीय स्थान व रूपा कुशवाहा ने 82.5 प्रतिशत के साथ तृतीय स्थान अर्जित किया है इसी प्रकार अन्य छात्र.छात्राओं का प्रतिशत भी 70 से अधिक रहा और सभी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण रहे। संस्था संचालक अंकुर त्रिवेदी ने प्रथमए द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र.छात्राओं के साथ सभी छात्र.छात्राओं को उत्कृष्ट प्रदर्शन पर बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। साथ ही भविष्य में इसी प्रकार मेहनत कर पढाई करने के लिए प्रेरित किया। वहीं प्राचार्य शिभा सिंह सोलंकी ने कहा कि संस्था में नियमित रूप से अनुभवी नर्सिंग विषय विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा अध्यापन कार्य के साथ प्रायोगिक कार्य व नियमित रूप शासकीय अस्पताल में क्लीनिकल ट्रेनिंग कराई जाती है। सभी छात्र.छात्राओं की इस उपलब्धता पर वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक अविनाश पाण्डेय, ने बधाई दी।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन

दमोह देशबन्धु। खेल और युवा कल्याण विभाग एवं विद्या भारती सरस्वती शिशु मंदिर पथरिया के विशेष सहयोग से एक माह तक चलने वाले ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ। विकासखंड मुख्यालय पर दो प्रचलित खेल खो खो एवं वॉलीबॉल खेल एवं विद्या भारती सरस्वती शिशु मंदिर द्वारा कंप्यूटर, पेंटिंग, क्राफ्टिंग,ब्यूटी पार्लर, सिलाई कढ़ाई, डांस का आयोजन किया गया। जिसमें खेलों लगभग 200 बालक बालिकाओं और अन्य विधाओं में 150 प्रतिभागियों को अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिवानंद सिन्हा, डॉ सुरेंद्र चौरसिया, संदीप कुमार जैन, नंदकिशोर चौरसिया, भुजबल पटेल, रतनचंद दवगर, बाबूलाल सेन प्राचार्य मुख्य रूप से उपस्थित रहे। मुख्य अतिथियों द्वारा खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र वितरण एवं खेलों का प्रशिक्षण देने वाले प्रशिक्षकों मुख्य अतिथियों द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी सैफुल्लाह खान के निर्देशन में चलने वाले ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर को सफल बनाने में युवा समन्वयक संतोषी पटेल, कपिल पटेल खो-खो प्रशिक्षक, दिलीप चौधरी वॉलीबॉल प्रशिक्षक, नितिन मिश्रा, आशीष कुर्मी, भूपेंद्र पटेल, रजनी विश्वकर्मा, वंदना दुबे, रेखा पाली आदि का विशेष योगदान रहा।

जबेरा में विकासखंड स्तरीय रोजगार मेला संपन्न

दमोह देशबन्धु। राज्य शासन के निर्देशन पर रोजगार मुखी नीति के तहत जिला एवं विकासखंड स्तर पर रोजगार मेला का आयोजित किये जा रहे है। जिसके तहत जनपद पंचायत जबेरा के सहयोग से मंगल भवन में रोजगार मेला आयोजित किया गया। रोजगार मेले में युवाओं को आमंत्रित किया गया था। रोजगार मेला में एल. एण्ड.टी कंपनी के समन्वयक कमल चंद्रवंशी द्वारा कंपनी के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुये कहा एल.एण्ड.टी कंपनी भारत की नंबर वन कंपनी है, जो निर्माण कार्य में अग्रणी है, जिसमें भारत सरकार के विभिन्न प्रोजेक्ट पर काम किया जा रहा है जिससे काफी संख्या में स्किल्ड युवाओं की आवश्यकता है, जिसके लिए एल.एण्ड.टी कंपनी द्वारा प्रदेश में वन विभाग के सहयोग से सिवनी जिले के लखनादौन में ट्रेनिंग सेंटर चलाया जा रहा है। जिसमें दो माह की ट्रेनिंग देकर युवाओं को कार्य करने के योग्य बनाया जाएगा। साथ ही कंपनी के समन्वयक द्वारा काउंसलिंग के माध्यम से युवाओं को विस्तृत जानकारी दी गई।

युद्ध की पूर्णता का नाम यज्ञ : श्री भगवान वेदांताचार्य

दमोह देशबन्धु। अखंड भारत की संस्कृति युद्ध और यज्ञ के तादात्म्य से परिपूर्ण है जहां युद्ध अशांति का तो यज्ञ शांति का पर्याय है यह बात सेना को समर्पित हरिहरात्मक मृत्यंजय महायज्ञ के दौरान श्री भगवान जी ने बताई जिसे वर्तमान में सेना द्वारा किए गए साहसिक कदम उठाने और ऑपरेशन सिंदूर कि सफलता के संदर्भ में बताई किसी भी राष्ट्र की सेना का योगदान ही उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा, शान्ति व नागरिकों की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सेना देश को बाहरी आक्रमण से बचाने और आंतरिक सुरक्षा बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है. सेनाएं आपदाओं के दौरान बचाव और राहत कार्यों में भी सहायता करती हैं. लेकिन इसके साथ युद्ध के परिपेक्ष में जब तीनो सेनाये आक्रांताओं से लड़ती है तब साहसिक कार्यों को सम्पन्न करती है उस में मासूमियत का गला न रूधे और प्रकृति का संतुलन न बिगड़ने पाए इसके लिए हमारे ऋषियों ने यज्ञ की विधा को अपनाया जो भारतीय संस्कृति की अमोघ विद्या का अंग है जिससे व्यवस्थित और सामाजिक समरसता बनी रहे।

नेहरू युवा केन्द्र के तत्वाधान में संगोष्ठी आयोजित

पन्ना,देशबन्धु। नेहरू युवा केन्द्र पन्ना के तत्वाधान एवं युवा जिला अधिकारी कीर्तिका कुहर के निर्देशन में आज शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय पन्ना में देवी अहिल्या बाई जयंती पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य अरविन्द त्रिपाठी एवं अन्य अतिथियों द्वारा विद्यार्थियों को अहिल्या बाई के जीवनी के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। कुशल एवं न्यायप्रिय शासिका के रूप में उनके उल्लेखनीय कार्यों सहित सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना पर भी प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर व्याख्याता उत्कर्ष श्रीवास्तवए राकेश द्विवेदीए मूलचंद्र सिंहए शिवांगी जैनए अंशुमन रेलेए राकेश प्रजापति एवं स्वयंसेवक सत्यम शर्मा उपस्थित रहे।

मामला निवाड़ी जिले की ग्राम बबेड़ी में स्थित भूमि फर्जी दस्तावेजों से हस्तांतरित करने का

कूटरचित दस्तावेज तैयार कर राजस्व अभिलेखों में गलत प्रविष्टियां करने वाले अधिकारियों पर प्रकरण दर्ज करें : संभागायुक्त

पन्ना,देशबन्धु। कमिश्नर सागर संभाग डॉ. वीरेन्द्र सिंह रावत ने निवाड़ी जिले की ओरछा तहसील के ग्राम बबेड़ी जंगल में स्थित भूमि खसरा नंबर 37.7.1.1, रकवा 8.000 हेक्टेयर भूमि को फर्जी और कूट.रचित दस्तावेज तैयार कर राजस्व अभिलेखों में बाद के वर्षों में गलत प्रविष्टियां अंकित कराने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ संबंधित व्यक्तियों के विरूद्ध आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध कराये जाने के आदेश जारी किए हैं। कमिश्नर ने जारी आदेश में तहसीलार ओरछा को भी आदेश दिए हैं कि तहसीलदार ओरछा शासन हित में उक्त भूमियों को राजस्व अभिलेख में मध्यप्रदेश शासन के पक्ष में दर्ज कर भूमि का कब्जा प्राप्त करें। कमिश्नर सागर संभाग ने यह कार्यवाही 15 दिवसों में कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के आदेश कलेक्टर निवाड़ी को दिए हैं। गौरतलब है कि कमिश्नर सागर संभाग डॉण् वीरेन्द्र सिंह रावत के आदेश के अनुसार राजस्व न्यायालय में दो पक्षों ने अपील करते हुए निवाड़ी जिले के ओरछा तहसील में बबेड़ी जंगल में स्थित लगभग 8.000 हेक्टेयर भूमि पर अपना कब्जा बताया था। जिस पर कमिश्नर सागर संभाग ने कलेक्टर निवाड़ी के माध्यम से भूमि पर दोनों व्यक्तियों के कब्जे के संबंध में वस्तुस्थिति की जांच कराई थी। जांच में यह पाया गया कि ग्राम बबेड़ी जंगल की भूमि सर्वे नंबर 37.7.2.1 जुज रकवा 2.023 हेक्टेयर एवं खसरा नंबर 37.7.1 जुज रकवा 4.000 हेक्टेयर के राजस्व अभिलेख में छेड.छाड करते हुए दायरा पंजी वर्ष 1969.70 में दर्ज प्रकरण क्रमांक 40 से 48 तक कूट रचना कर राजस्व अभिलेख में छेड़.छाड़ एवं पृष्ठ आदि को कर फर्जी इन्द्राज किए गए हैं। जो आपराधिक श्रेणी के अंतर्गत आते हैं। जांच में यह भी पाया गया कि राजस्व अधिकारियों और कर्मचारियों की मिली भगत से फर्जी और कूटरचित दस्तावेजों से भूमि की गलत प्रविष्टियां की गई थी। जांच में यह भी पाया गया कि राजस्व न्यायालय में प्राप्त दायरा पंजी वर्ष 1969.70 को अवलोकन करने पर यह तथ्य सामने आया कि दायरा पंजी में प्रारंभ में दर्ज प्रकरणों और बाद में दर्ज प्रकरणों को अन्य स्याही से फर्जी कूटरचित तरीके से दर्ज किया गया है। दायरा पंजी के पृष्ठों को फाड़कर उन्हें पुन: इस प्रकार से सेलोटेप द्वारा जो?ा गया है। ताकि प्रकरणों से संबंधित वास्तविक जानकारी प्राप्त न हो सके। इसी प्रकार मूल दस्तावेजों के राजस्व रिकार्ड में छेड़.छाड़करते हुए विभिन्न प्रकार की स्याही से प्रविष्टियां तैयार की गई हैं एवं फर्जी दस्तावेज आदि तैयार कराए जाकर शासन की बेशकीमती व बहुमूल्य भूमि को हानि पहुंचाने एवं उसे क्रय.विक्रय आदि करने का आपराधिक कृत्य किया गया है। कमिश्नर ने उक्त तथ्यों के आधार पर अपीलार्थियों द्वारा प्रस्तुत अपील को बलहीन व सारहीन होने के कारण निरस्त कर दी है तथा राजस्व भूमि के कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर नामांतरित करने वाले अधिकारियों.कर्मचारियों के विरूद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज करने के आदेश जारी किए हैं।

आज इन क्षेत्रों का विद्युत प्रवाह रहेगा बाधित

गुना, देशबन्धु। सहायक प्रबंधक (शहर) विद्युत वितरण कंपनी लिमि. द्वारा दी गई जानकारी अनुसार सड़क चौडीकरण की लाइन शिफ्टिंग कार्य होने से दिनांक 01 जून 2025 को प्रात-10: 00 बजे से दोपहर 04: 00 बजे तक विद्युत प्रवाह बाधित रहेगा। जिससे विध्यांचल कॉलोनी, बलवंत नगर, विकास नगर, शुक्ला कॉलोनी, खेड़ापति कॉलोनी, एवन कॉलोनी, गुप्ता कॉलोगी, महावीरपुरा, कस्तुरबा नगर, पोरवाल कॉलोनी, मारूति शोरूम के सामने एवं पुराना औद्योगिक क्षेत्र आदि क्षेत्रों का विद्युत प्रवाह बाधित रहेगा। उक्त विद्युत कटोती समय को आवश्यकतानुसार घटाया अथवा बढ़ाया जा सकता हैं।

देशबन्धु

नहीं रुक रही हाइवे पर ट्रक चालकों से अवैध वसूली

परिवहन विभाग की नई टीम और भी जोश से कर रही अवैध वसूली

मालथौन, देशबन्धु। मप्र परिवहन विभाग के कतिपय अधिकारी कर्मचारियों का जीवन ही अब लूट खसौट भरा हो गया है। मालथौन के अटा में पूर्व परिवहन अधिकारी कर्मचारियों का तबादला इसीलिये हुआ था कि वो दिन-रात ट्रक चालकों से अवैध वसूली में लगे थे, लेकिन ट्रांसफर के बाद जो नई टीम मालथौन के अटा में पोस्टेड की गई है वो और भी नये जोश के साथ मैदान में उतरी है। यह नई टीम भी गुंडाई से अवैध वसूली में लग गई है। मप्र में ट्रक चालको को प्रवेश करने का शुल्क देना पड़ रहा हैं अवैध वसूली निरंतर जारी है। प्रदेश सरकार के बनाये परिवहन चेक पाइंट अवैध वसूली के अड्डा साबित हो रहे हैं। लगातार खबरे और सोशल मीडिया अवैध वसूली के वीडियो वायरल हो रहे है जिनमें ट्रक चालक आरटीओ पर गंभीर आरोप लगा रहे है हाल में प्रदेश के आरटीओ पूर्व आरक्षक अरबपति सौरभ शर्मा की जांच चल रही है दूसरी तरफ आरटीओ की अवैध वसूली की खबरे लगातार सुर्खियों में हैं। प्रदेश सरकार के बनाये चेक पॉइंटों पर अवैध वसूली थम नहीं रही है प्रदेश के मुख्य हाइवे पर ट्रक ड्राइवर वसूली को लेकर परेशान हैं। मप्र-उप्र सीमा स्थित सागर आरटीओ फ्लाइंग स्काउट दल ने ट्रक चालकों से अवैध वसूली का चैकिंग के नाम पर गौरखधंधा बना लिया हैं, शासन को राजस्व ना के बराबर स्वयं की तिजोरियां भरने में ज्यादा लगा है। मप्र में प्रवेश करने पर गुंडा टैक्स देना पड़ रहा है, यह ट्रक मोटरर्स चालक बोल रहे है इस तरह आरोपो से प्रदेश की छवि को बट्टा लग रहा हैं। पुराने चेक पोस्ट पर बना अटाकर्नेलगढ़ चेक पॉइंट 1 पर सुबह से आरटीओ की चैकिंग टीम ने नेशनल हाइवे पर बैरिकेटिंग कर यूपी की और से आ रहे वाहनों को यार्ड में लगाकर प्रत्येक वाहन से इंट्री की मांग की गई, जिनसे पांच सौ से दो हजार रुपये बसूले गये। रोजाना हाइवे से हजारों वाहन निकलते है। कुछ ड्राइवरो ने चल रही वसूली को लेकर सवाल उठा रहे है उन्हें चालान व पुलिस केस करने की धमिकायां मिलती हैं।

क्या कहते वाहन चालक

ट्रक चालक साहून मेवात ने बताया कि मालथौन चेक पॉइंटों पर जबरजस्ती रुकवा रहे है इंट्री मांग रहे है, इधर धांधली चल रही है कोई गाड़ी हो सब्जी या डिलीवरी की जबरजस्ती कर रहे, कच्चे माल की गाड़ियां भी नहीं छोड़ रहे। प्रत्येक गाड़ी से 500 से लेकर 2000 रुपये वसूल रहे हैं। एंट्री नहीं देने पर गाड़ियों चालान बनाने की धमकी देते है। ट्रक चालक राजेश साहू देवरी ने बताया कि दिल्ली से रायपुर जा रहा हूं आरटीओ ने लूट मचा रखी है ट्रक में कोई कमी नहीं है सब ठीक है सारे पेपर ओके है फिर भी रोककर एंट्री ली जा रही हैं जबरन। ट्रक चालक जोधाराम नाशिक के निवासी है दिल्ली से नागपुर जा रहा हूं एमपी में घुसने का टेक्स लिया जा रहा है एमपी कई जगह अवैध वसूली हो रही है बॉर्डर पर एक हजार रुपये एंट्री के नाम पर ले लिये। कोई रसीद भी नहीं दे रहे हैं। ट्रक चालक संभू ने बताया कि दिल्ली से रायपुर के जाने के बीच में प्रदेश में तीन चार जगह आरटीओ से सामना होता हैं। चैकिंग के नाम पर हर जगह हजार बारह सौ रुपये देने पड़ रहे हैं कोई रसीद नहीं देते हैं। रुपये नहीं देने चालान की काटने की धमकी देते जबकि गाड़ी के सभी ठीक हैं। फिर भी अवैध वसूली हो रही हैं।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर सेमीनार का आयोजन

सागर, देशबन्धु। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस का आयोजन शास. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय एवं सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग सागर के संयुक्त तत्वाधान में शास. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में किया गया। कार्यक्रम संयुक्त कलेक्टर देवेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में आयोजित किया गया जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य जीएस रोहित, अमर जैन, कॉलेज के जनभागीदारी अध्यक्ष बंटी शर्मा, डीएस यादव संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय के साथ महाविद्यालय, सामाजिक न्याय विभाग, डीडीआरसी के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महाविद्यालय के लगभग 400 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। देवेन्द्र प्रताप सिंह ने विद्यार्थियों को तम्बाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले रोगों एवं दुष्परिणामों के बारे में जानकारी दी एवं समाज को नशामुक्त कराने के लिये प्रेरित किया। जीएस रोहित ने विद्यार्थियों को नशामुक्ति का एम्बेसडर बताया और कहा कि आप सभी नशामुक्त रहें एवं समाज को नशामुक्त करने हेतु संकल्पित रहें। संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय विभाग ने कहा कि तम्बाकू एवं नशे की वस्तुए दूषित कचड़े के समान है जिन्हे डस्टबिन कचडे के डिब्बे में डाला जाता है न कि अपने घरों में रखा जाता है अत: नशे की दूषित वस्तुयें हमारे शरीर में डालकर शरीर को डस्टबिन न बनायें। अन्त में मुख्य अतिथि द्वारा उपस्थित अधिकारी, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को नशा न करने की शपथ दिलाई, इसके पश्चात मुख्य अतिथि ने हरी झण्डी दिखाकर नशामुक्ति रैली का शुभारंभ किया गया।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर रैली निकाली

सागर, देशबन्धु। जिला चिकित्सालय के सामने चाय की दुकान पर क्षेत्रीय संचालक डॉ. नीना गिडियन ने रुककर वहां खड़े लोगों का इंटरव्यू लिया। लगभग 8 लोग वहां खड़े थे जिनके सभी के मुंह में तंबाकू भरी थी। डॉ. गिडियन ने उनसे पूछा कि तंबाकू क्यों खाते हो, क्या आप लोंगों को मालूम है कि इससे क्या नुकसान हो रहे हैं। तो उन्होंने जवाब दिया कि हमें लत लग गई है। छोड़ना मुश्किल होगा। डॉक्टर ने बताया कि अगर आप ठान लो कि हमें तंबाकू छोड़ना है तो जिला चिकित्सालय में इसका इलाज किया जा रहा है। लत छुड़ाने की गोलियां दी जा रही हैं। आप सब एक ग्रुप बनायें और अस्पताल आयें। क्योंकि तंबाकू से आपको तो नुकसान है ही। डॉ. गिडियन ने जन जागरुकता रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में डॉ. आरएस जयंत सिविल सर्जन, डॉ. अभिषेक ठाकुर आरएमओ, डॉ. धर्मेन्द्र कनोरिया नोडल अधिकारी तंबाकू नियत्रक कार्यक्रम, डॉ. संजय राधव, डॉ. एमके जैन, डॉ. सरोज भूरिया, नर्सिग ऑफीसर, बीएमसी की प्रशिक्षु नर्सिग छात्रायें, शहरी आशा कार्यकर्ता, चिकित्सक एवं स्टाफ सम्मिलित रहा। डॉ. जयंत ने बताया कि तम्बाकू के सेवन से व्यक्ति अपनी सुख, शांति खो देता हैं स्वास्थ्य खराब कर लेता है विभिन्न बीमारियों को आमंत्रण देता हैं। डॉ. कनोरिया ने बताया कि बच्चे तंबाकू के प्रति भ्रामक एवं आकर्षित प्रचार विज्ञापन, रोल मॉडल सेलिब्रिटि से प्रेरित एवं आकर्शित होते है अत: युवाओं को तंबाकू के सेवन से रोकने और इससे होने बाले दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक करना अनिवार्य हो गया हैं। डॉ. नीना गिडियन ने अधिकारी कर्मचारियों को तंबाकू से निर्मित उत्पाद के सेवन न करने की शपथ दिलाई और अन्य को भी तंबाकू के सेवन न करने हेतु प्रेरित करने की सलाह दी।

भवानी सेवा समिति ने अहिल्या बाई होल्कर की जन्म जयंती मनाई

सागर, देशबन्धु। समाजसेवी इंजी.आकाश कोरी ने महारानी अहिल्याबाई होलकर के जीवन पर प्रकाश डालते हुये कहा कि उनका शासन काल भले ही अल्प रहा लेकिन उन्होंने भारत पर अपना बहुत ही गहरा और व्यापक प्रभाव छोड़ा उन्होंने अपने शासनकाल में अनगिनत निर्माण कार्य करवाये। उन्होंने अपने राज्य की सीमाओं के भीतर ही नहीं बल्कि पूरे भारतवर्ष के प्रमुख तीर्थ और स्थान में मंदिर बनवाये पुराने मंदिरों का जीर्णोद्धार करवाया। कुआं, तालाब, बावड़ियों का निर्माण करवा कर उन्होंने पानी की उचित व्यवस्था करवाई, मार्ग बनवा, सड़कों की मरम्मत करवाई भूखे के लिये अन्नागार खुलवायें, प्यासो के लिये जगह-जगह पर प्याऊ लगवायें। तीर्थ स्थलों पर धर्मशालाओं का निर्माण करवाया शास्त्रों के अध्ययन चिंतन और मनन करने के लिये मंदिरों में विद्वान आचार्यों की नियुक्ति की। इस अवसर पर ओम शिव कुर्मी, अमन भारद्वाज, दीपांशु जोशी, हिमांशु जोशी, दिनेश कोरी, योगेश, राजेश फुसकेले सहित आदि मौजूद रहे।

विधायक ने शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का किया निरीक्षण

निर्माण कार्य में क्वालिटी से कोई समझौता नहीं किया जाएगा : विधायक

सागर, देशबन्धु। विधायक प्रदीप लारिया ने शुक्रवार को शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिविल अस्पताल मकरोनिया का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माणाधीन सिविल अस्पताल बिल्डिंग के ठेकेदार एवं कार्य एजेंसी को निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण कराने एवं समयावधि में कार्य संपादित कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में क्वालिटी से कोई समझौता नहीं किया जायेगा। डॉक्टर्स एवं स्टाफ से भेंटकर कहा कि क्षेत्र की गरीब जनता अपना इलाज कराने के लिये सरकारी अस्पताल पर निर्भर रहते है। इसलिये मरीजों के साथ उचित व्यवहार करने एवं रात्रि ड्यूटी के व्यवस्थित संचालन हेतु निर्देशित किया। विधायक ने अस्पताल परिसर और टॉयलेट्स की नियमित साफ सफाई के बेहतर इंतजाम कराने, मरीज और उनके अटेंडेंट्स को भीषण गर्मी में पर्याप्त शीतल पेयजल उपलब्ध कराने, मौसमी बीमारियों को ध्यान में रखते हुये नि: शुल्क दावाओं का पर्याप्त स्टाक रखने एवं लेबोरेटरी में जरूरत की जांच करने के निर्देश दिये। उन्होंने मरीजों से चिकित्सा सुविधाओं के विषय में जानकारी ली। इसी दौरान अस्पताल में स्वास्थ्य परीक्षण कराने आई अनाथ एवं मानसिक दिव्यांग बालिका से विधायक लारिया ने बात की। बच्ची की कठिनाइयों को देखते हुये विधायक ने महिला बाल विकास अधिकारी को योजनान्तर्गत मिलने वाली पेंशन का लाभ दिलाये जाने निर्देशित किया। इस अवसर पर नपाध्यक्ष मिहिलाल, विवेक सक्सेना, राजा रिछारिया, राजू मिश्रा, डॉ. परसुराम, बाबूलाल रोहित, डॉ. आरपी मिश्रा, डॉ. विकास राज, सीएमओ पवन शर्मा आदि उपस्थित थे।

वर्धमान कॉलोनी जैन मंदिर से श्रुत पंचमी पर निकाली गई शोभा यात्रा

मकरोनिया, देशबन्धु। श्रुत पंचमी के अवसर पर आर्यिका साधुमति माताजी एवं साधना मति माताजी के मंगल सानिध्य में श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर वर्धमान कॉलोनी मे भव्य शोभा यात्रा निकाली गयी, आचार्य श्री की पूजन एवं मां जिनवाणी की पूजन की गई। आचार्य श्री विद्यासागर के चरण चिन्ह मंदिर में विराजमान किये गये। माताजी ने श्रुत पंचमी की ऊपर से कथा के माध्यम से श्रुत पंचमी के बारे में बताते हुये प्रवचन में कहा जैन धर्मावलंबी जेष्ठ शुक्ल पंचमी को श्रुत पंचमी पर्व मनाते हैं। 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी निर्वाण के बाद लगभग 2000 वर्ष पूर्व आचार्य धरसेन ने अपने शिष्य पुष्पदन्त और भूतबलि को आदेश दिया कि महावीर स्वामी की दिव्य वाणी को लेखन के माध्यम से संरक्षित किया जाये। जैन धर्म के प्रथम ग्रंथ षट्खण्डागम की रचना प्राकृत भाषा में जेष्ठ शुक्ल पंचमी को शुरू की गई थी। तब से जैन धर्मावलंबी इस दिन को श्रुत पंचमी के रूप में मनाते हैं।

शासकीय पट्टे की जमीनों पर कब्जों का करें सत्यापन : कलेक्टर

पटवारी वर्ष में 2 बार शासकीय पट्टेदारों की भूमियों का मौके पर करेंगे निरीक्षण

सागर, देशबन्धु। शासकीय पट्टे की जमीनो पर कब्जो का सत्यापन किया जायेगा, पटवारी वर्ष में दो बार शासकीय पट्टेदारों की भूमियों का मौके पर निरीक्षण करेंगे एवं अनधिकृत आधिपत्य पाये जाने पर धारा 250 मप्र भू.राजस्व संहिता के तहत कार्यवाही सुनिश्चित करें। उक्त निर्देश कलेक्टर संदीप जीआर ने जनसुनवाई में आने वाली शिकायतों को देखते हुये दिये। जनसुनवाई में शासकीय पट्टेदारों की भूमि पर दूसरे अनधिकृत व्यक्तियों द्वारा कब्जा करने की शिकायते बड़ी संख्या मे प्राप्त होती रहती है। इससे ज्ञात होता है कि जिले में गरीब, कमजोर वर्ग को दिये गये पट्टे की भूमि पर अन्य प्रभावशाली व्यक्ति द्वारा करने का प्रयास किया जा रहा है। कलेक्टर ने बताया कि शासकीय भूमि के पट्टे अनुसूचितजाति जनजाति तथा अन्य भूमिहीन कृषक, मजदूरों को उनके जीवन यापन के लिये दिये गये है। इन भूमियों पर पट्टेदारों का कब्जा सुनिश्चित करना राजस्व अधिकारियों का दायित्व है। इसके बावजूद भी बड़ी संख्या मे शासकीय पट्टेदारों की भूमि पर दूसरे व्यक्तियों के कब्जे होने की शिकायतें प्राप्त होती रहती है। यह स्थिति ठीक नहीं है। उक्त शिकायतों के निराकरण एवं अन्य पट्टेदार जमीन पर वैद्य कब्जा सुनिश्चित करने के लिये कलेक्टर ने समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, समस्त तहसीलदार एवं पटवारियों को निर्देशित किया है। कलेक्टर के निर्देशानुसार सभी पटवारी वर्ष में दो बार शासकीय पट्टेदारों की भूमियों का मौके पर निरीक्षण करेंगे। फसल बोने के समय यह सुनिश्चित करें कि फसल, पट्टे की भूमि पर पट्टेदार द्वारा ही बोई गई है तथा फसल काटते समय भी यह देखा जाये कि फसल शासकीय पट्टेदार द्वारा ही काटी गई है। भौतिक सत्यापन के समय शासकीय पट्टेदार की भूमि पर यदि किसी अन्य व्यक्ति का अनधिकृत आधिपत्य पाया जाता है तो पटवारी स्थल जांच रिपोर्ट मय पंचनामा के संबंधित तहसीलदार, नायब तहसीलदार न्यायालय में धारा 250 मप्र भू.राजस्व संहिता के तहत कार्यवाही प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने राजस्व अधिकारियों के निर्देश देते हुये कहा कि संबंधित राजस्व अधिकारी ऐसे प्रकरणों मे शीघ्र सुनवाई करते हुये संबंधित पट्टेदारों को उनके पट्टे की भूमि का आधिपत्य दिलायेंगे। निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जावे।

सांप के डसने से 11 साल की बच्ची की मौत

सागर, देशबन्धु। रहली थाना क्षेत्र के ग्राम हिनौती में सांप के डसने से 11 साल की वैशाली अहिरवार की मौत हो गई। परिवार उसे पहले तांत्रिक के पास ले गया, इलाज देर से मिला। अस्पताल पहुंचते बच्ची की हालत इतनी बिगड़ गई कि बचाया नहीं जा सका, शुक्रवार रात करीब 1 बजे वैशाली पानी पीने के लिये मटके के पास गई थी। तभी सांप ने उसे डस लिया। बच्ची बेहोश होने लगी तो परिजन उसे तुरंत अस्पताल नहीं ले गए। वे 15 किमी दूर अचलपुर गांव के एक तांत्रिक के पास ले गये। तांत्रिक ने झाड़ फूंक कर इलाज का भरोसा दिया और फिर कहा कि बच्ची को अस्पताल ले जाओ। वैशाली को रहली अस्पताल लाया गया। डॉक्टरों ने इलाज शुरू किया लेकिन थोड़ी देर में ही उसकी मौत हो गई। इसके बाद भी परिजन मानने को तैयार नहीं हुये कि बच्ची मर चुकी है। बच्ची की मौत के बाद परिजन उसका शव लेकर बादीपुरा गांव एक और तांत्रिक के पास गये। वहां तांत्रिक ने भी कहा कि बच्ची की मौत हो चुकी है। ग्रामीणों की समझाइश के बाद परिजन शव को वापस अस्पताल लाये। रहली पुलिस अस्पताल पहुंची और शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम कराया। शव परिजनों को सौंप दिया है। मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। मृतका के पिता संतोष अहिरवार ने बताया कि बेटी को सांप ने डस लिया था। गांव वालों ने कहा कि झाड़ फूंक से ठीक हो जायेगी, इसलिये वहां ले गये। बाद में अस्पताल लाये लेकिन तब तक देर हो चुकी थी।

स्कूली बेटियां ले रहीं नर्सिंग की ट्रेनिंग

बण्डा, देशबन्धु। पीएम श्री शास. कन्या उच्च. माध्य. विद्यालय की छात्राओं के लिए 20 दिवसीय ऑन जॉब ट्रेनिंग प्रशिक्षण बंडा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित कराया जा रहा है, जिसमें छात्रायें डॉक्टर के निर्देशन में मरीजों का ब्लड प्रेशर, बुखार और शुगर टेस्ट कर रही है। इसके साथ ही छात्रायें डॉक्टर के लिखे हुये पर्चे को देखकर दवाइयां भी बांट रही है। यह कार्यक्रम आत्म निर्भर भारत एवं नई शिक्षा नीति में व्यवसाय को बढ़ावा देने से प्रेरित है। शा. कन्या स्कूल के प्राचार्य संतोष चौरसिया ने बताया कि विद्यालय के हेल्थ केयर के वीटी कैलाश नरवडे के मार्गदर्शन में छात्रायें सुबह 10 बजे से 2 बजे तक उन समस्त क्रिया कलापों को प्रायोगिक रूप देख रहीं है जो उन्होंने दो साल साल तक थ्योरी और डमी के साथ सीखा है। छात्रायें अपने स्तर पर अपनी दक्षता का उपयोग करके अपने भावी जीवन के लिये अपने पैरों पर खड़ी हो रहीं है। यह छात्रायें फील्ड पर काम करके आत्मनिर्भर भारत को साकार रूप देंगी।

बच्चों की सहभागिता और जागरुकता का प्रस्तुत किया प्रेरणादायक उदाहरण

सृजन कार्यक्रम : सामुदायिक पुलिसिंग के सातवें दिन का आयोजन

सागर, देशबन्धु। पुलिस विभाग सागर एवं युवा विकास मंडल विशेष सहभागिता से कराटे ट्रेनर रीमा दागी एवं उप निरीक्षक ज्योति राजपूत पुलिस विभाग जिले में चल रहे सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत सामुदायिक पुलिसिंग का सातवां दिन विविध गतिविधियों और बच्चों की सक्रिय सहभागिता के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन हुलासी राम मुखारिया कन्या उच्च. माध्य. शाला सदर में किया गया, जिसमें स्थानीय छात्राओं ने पूरे उत्साह और जोश के साथ भाग लिया। इस दिन का मुख्य उद्देश्य बच्चों द्वारा पिछले आठ दिनों में प्राप्त ज्ञान और प्रशिक्षण की पुनरावृत्ति रीकैप करना था। कार्यक्रम की शुरुआत छात्राओं द्वारा माता अहिल्या जयंती के अवसर पर एक जागरूकता रैली से हुई, जो शाला परिसर से प्रारंभ होकर कैंट थाना तक निकाली गई। रैली ने सामाजिक एकता, महिला सशक्तिकरण और कानून के प्रति जन जागरूकता का संदेश दिया। रैली के उपरांत बच्चों को बाल मित्र थाना, थाना कैंट की सैर करवाई गई, जहां उन्होंने थाना परिसर में स्थापित वॉल पेंटिंग का उद्घाटन किया। यह वॉल पेंटिंग युवा विकास मंडल के सहयोग से बनाई गई थी, जो बच्चों की रचनात्मकता और सामाजिक विषयों के प्रति सजगता का परिचायक बनी। इस अवसर पर थाना कैंट प्रभारी रोहित डोंगरे द्वारा बच्चों को थाना परिसर में पुलिस कार्यप्रणाली की जानकारी दी। सभी प्रतिभागी बच्चों को स्मृति स्वरूप उपहार भेंट किये गये।

शराब के नशे में चचेरे भाइयों ने किया हमला

बीना, देशबन्धु। शुक्रवार रात दो भाइयों के बीच विवाद हो गया। नंदू आदिवासी और अन्नू आदिवासी ने अपने चचेरे भाई रम्मू आदिवासी के घर जाकर शराब पी। रात करीब 10 बजे नशे में दोनों के बीच कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर नंदू और अन्नू ने लाठियां उठा लीं। उन्होंने रम्मू आदिवासी, उनके बेटे राधे आदिवासी और बहू सोनम आदिवासी पर हमला कर दिया। सोनम बीच-बचाव करने आई थी, तब वह भी घायल हो गई। घटना भानगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम बाघारूपा की है। घायलों ने डायल 100 पर सूचना दी। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। तीनों घायलों को बीना के शासकीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

केवल जागरूकता नहीं, बल्कि नशा मुक्त होने सक्रिय कदम उठाएं

नशे को कहें न जीवन को कहें हां: छाया दीदी

सागर, देशबन्धु। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विवि की सहयोगी संस्था राजयोग एज्युकेशन एण्ड रिसर्च फाउंडेशन के मेडिकल विंग द्वारा भीतर बाजार में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर नशे से दूर रहने एवं जनजाग्रति के लिये कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सागर सेवाकेन्द्र प्रभारी राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी छाया दीदी ने कार्यक्रम का लक्ष्य एवं उद्देश्य एवं संस्थान का परिचय देते हुये विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के बारे बताया। जिसका उद्देश्य लोगो को हानिकारक पदार्थो से बचाना एवं उससे दूर रहने के लिये जागरुक करना है। साथ ही संस्थान का परिचय देते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारीज संस्थान एक विश्व व्यापी संस्थान है जो राजयोग ध्यान और आध्यात्मिक शिक्षा के द्वारा समाज में फैली विकृति और बुराईयां और नशे से दूर रहने की शिक्षा दी जाती है। हमें तम्बाकू के खाने से बचना चाहिये। क्योंकि तम्बाकू से कैंसर जैसी बीमारी होती है जिससे मानव के शरीर को हानि पहुंचती है और उसके साथ साथ पूरा परिवार भी प्रभावित होता है इसलिये हमें संकल्पित होना चाहिये कि हम नशे से दूर रहेंगे। ब्रह्माकुमारी लक्ष्मी दीदी ने कहा कि व्यसन एक ऐसा मार्ग है जो धीमे जहर की तरह हमारे शरीर को नष्ट करता है। आज लोग डिप्रेशन, अनिद्रा, तनाव, बीती हुई दुखद घटनाओं की स्मृति, पारिवारिक कलह, बुरे संग के कारण इन नशीले पदार्थों का सेवन करने लगते हैं। भारत में एक तिहाई कैंसर का कारण तंबाकू है। 90 प्रतिशत फेफड़े का कैंसर धूम्रपान के कारण होता है। 60 प्रतिशत से अधिक सड़क दुर्घटनाओं का कारण शराब है। लंबे समय तक शराब का सेवन करने से सिरोसिस, मस्तिष्क की कार्यप्रणाली अनियंत्रित और हाई ब्लड प्रेशर की समस्या हो जाती है। उन्होंने कहा व्यसन व्यक्ति के स्वास्थ्य पर तो बुरा प्रभाव डालते ही हैं साथ ही गृह क्लेश का कारण भी बनते हैं। हम अपनी युवा पीढ़ी को इन व्यसन रुपी दलदल से बचाये। बच्चो को नैतिक रूप से मजबूत होना चाहिये तथा उन्हें पहली बार ही किसी गलत कार्य को करने के लिये कहने पर इंकार कर देना चाहिये। वह मित्र कैसा मित्र है, जो अपने अभिन्न मित्र को तम्बाकू गुटका या शराब पीने के लिए मजबूर करता है। खराब संग से तो अकेला रहना ही भला। कार्यक्रम के अंत में सभी को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई, साथ ही राजयोग ध्यान का अभ्यास कराया। राजयोग के अभ्यास से जो नशा मुक्त हुये उन्होंने अपने अनुभव साझा किये। इस अवसर पर बीके लक्ष्मी दीदी, सुनील भाई, पीयूष भाई सहित अन्य भाई बहिन उपस्थित रहे।

स्वामी पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि.के लिए प्रकाशक गिरिराज चाचा मुद्रक गिरिराज चाचा द्वारा दैनिक भास्कर प्रेस (डी बी कार्प लि.) प्लाट नं. 36 इंडस्ट्रीयल एरिया सागर म.प्र. सागर से मुद्रित एवं 56 अग्रवाल बिल्डिंग एक्सिस बैंक के पीछे 10 सिविल लाईन्स, सागर मप्र से प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादक: **ज़ाकिर अली** *
प्रबंध संपादक **डॉ. योगेश दत्त तिवारी** फोन 07582-228742 ई-मेल. deshbandhusgr@yahoo.in **प्रेस पंजीयन**- MPHIN/2016/69061 समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।